Result Mitra

दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE

दैनिक भास्कर

THE HINDU

जनसत्ता

Daily CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

5 February

Quote of the Day

Result Mitra

जिद अगर जीतने की हों तो
हारना नामुमकिन सा हो
जाता हैं

Result Mitra™

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

माउंट तारानाकी

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

Result Mitra

- न्यूज़ीलैंड ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए माउंट तारानाकी को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा दे दिया है। यह निर्णय माओरी समुदाय के लिए एक बड़ी जीत है, जो इस पर्वत को अपना पूर्वज मानते हैं।

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

क्या है इस निर्णय का मतलब?

- **कानूनी अधिकार:** अब माउंट तारानाकी के पास उन्हीं अधिकारों और संरक्षण का हक होगा जो एक व्यक्ति को होता है।
- **माओरी समुदाय के लिए महत्व:** माओरी समुदाय के लिए यह पर्वत पवित्र है और इसे एक जीवित प्राणी माना जाता है। इस निर्णय से उनकी संस्कृति और विश्वासों को मान्यता मिली है।

क्या है इस निर्णय का मतलब?

- **पर्यावरण संरक्षण:** इस निर्णय का उद्देश्य पर्वत और उसके आसपास के क्षेत्र की रक्षा करना है। अब पर्वत को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाया जाएगा।

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

क्यों लिया गया यह निर्णय?

- **ऐतिहासिक अन्याय:** न्यूज़ीलैंड के उपनिवेशीकरण के दौरान माओरी लोगों से यह पर्वत छीन लिया गया था। इस निर्णय के माध्यम से सरकार ने माओरी समुदाय को हुए नुकसान की भरपाई करने का प्रयास किया है।
- **पर्यावरण संरक्षण:** यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण के लिए एक नया तरीका है। यह दिखाता है कि प्रकृति को सिर्फ संसाधन के रूप में नहीं बल्कि एक जीवित प्राणी के रूप में भी देखा जा सकता है।

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

दुनिया भर में प्रतिक्रियाएं:

- **सकारात्मक प्रतिक्रिया:** दुनिया भर के कई लोगों ने इस निर्णय की सराहना की है। इसे पर्यावरण संरक्षण और आदिवासी अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- **मिश्रित प्रतिक्रियाएं:** कुछ लोगों ने इस निर्णय पर सवाल उठाए हैं। उन्हें लगता है कि यह एक अजीबोगरीब निर्णय है और इससे कानूनी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।

अन्य देशों में इस तरह के प्रयास:

- न्यूज़ीलैंड पहला देश नहीं है जिसने किसी प्राकृतिक स्थल को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा दिया है। इससे पहले न्यूज़ीलैंड ने ही एक नदी और एक वन को भी यह दर्जा दिया था।
- न्यूज़ीलैंड का यह निर्णय दुनिया भर के लिए एक उदाहरण है। यह दिखाता है कि हम प्रकृति के साथ अपने संबंधों को फिर से परिभाषित कर सकते हैं और उसे अधिक सम्मान दे सकते हैं।

Result Mitra

माउंट तारानाकी

के बारे में

माउंट तारानाकी के बारे में

- माउंट तारानाकी न्यूज़ीलैंड का एक सुंदर और पवित्र पर्वत है। माओरी समुदाय के लिए यह पर्वत विशेष महत्व रखता है। उन्हें यह पर्वत अपने पूर्वज के रूप में मानते हैं।

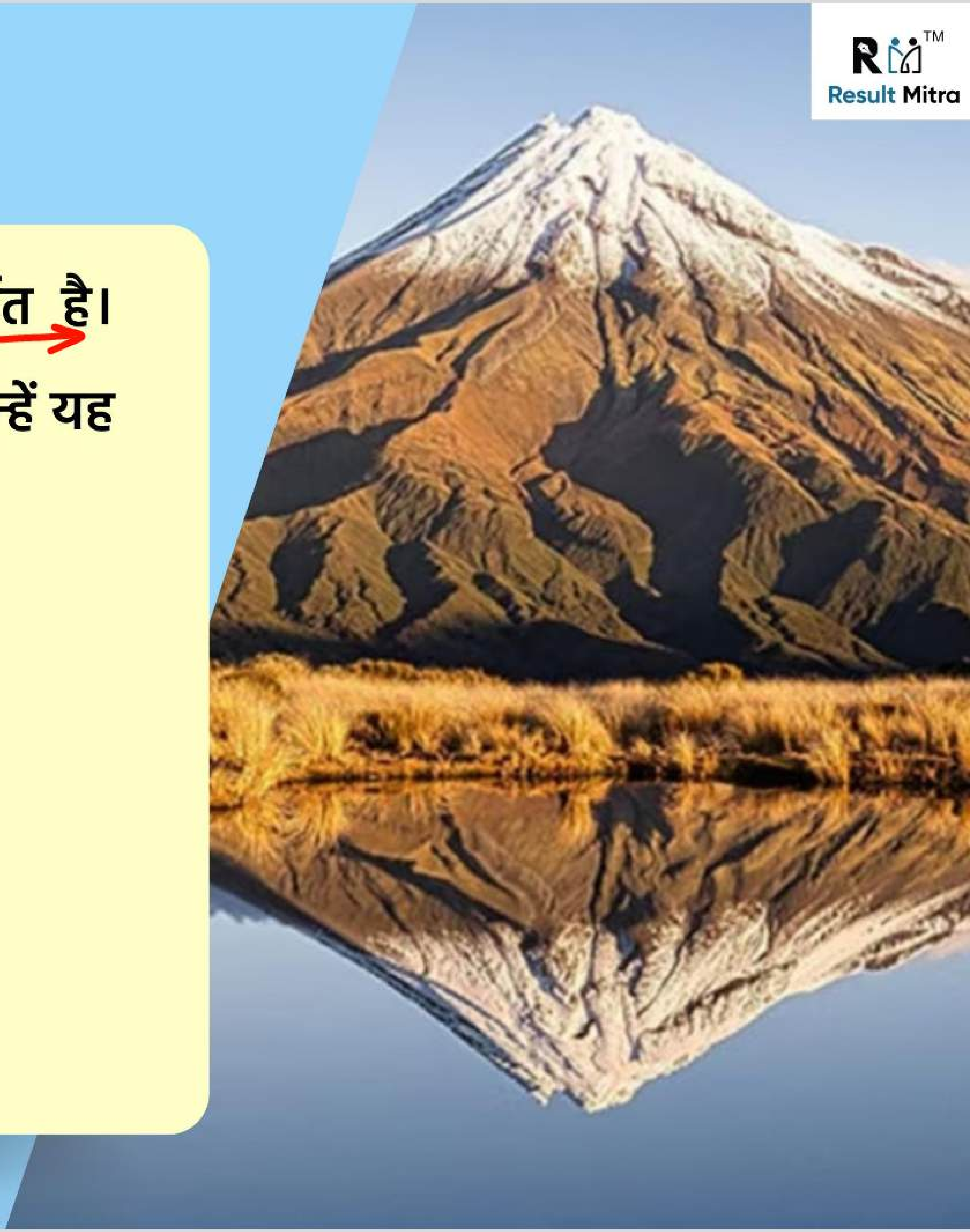

Result Mitra

माउंट तारानाकी के बारे में

माउंट तारानाकी के बारे में रोचक तथ्य:

- पवित्रता: माओरी संस्कृति में माउंट तारानाकी को एक जीवित प्राणी के रूप में माना जाता है। इसे एक पवित्र पर्वत माना जाता है और इसका धार्मिक महत्व है।
- कानूनी दर्जा: न्यूज़ीलैंड सरकार ने 2025 में माउंट तारानाकी को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा दिया। यह निर्णय माओरी समुदाय के लिए एक बड़ी जीत थी।

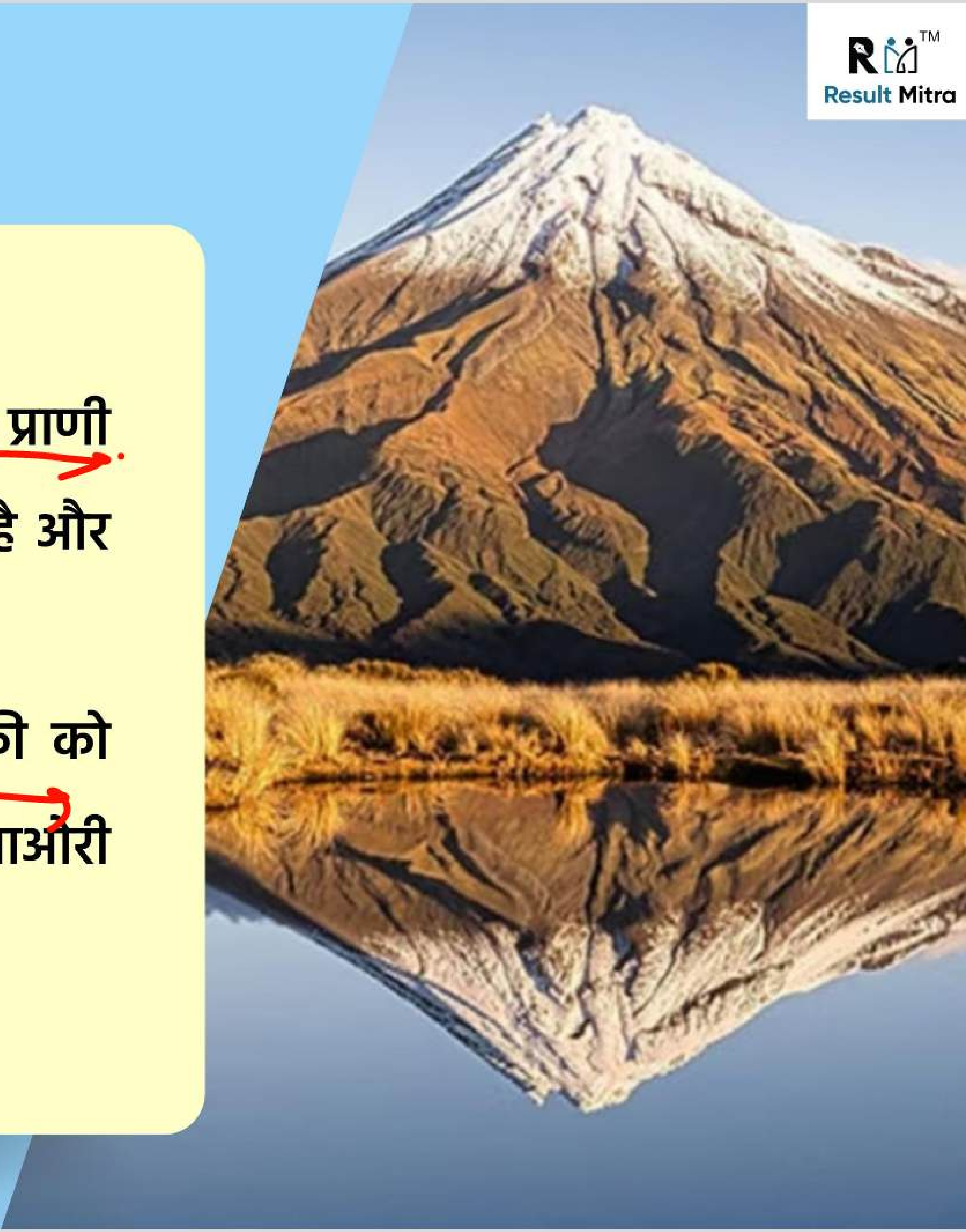

Result Mitra

माउंट तारानाकी के बारे में

माउंट तारानाकी के बारे में रोचक तथ्य:

- प्राकृतिक सौंदर्य: माउंट तारानाकी एक सुंदर ज्वालामुखी है। यह पर्वतारोहियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है।
- ऐतिहासिक महत्व: इस पर्वत का माओरी संस्कृति में गहरा संबंध है। माओरी मान्यताओं के अनुसार, यह पर्वत एक देवता था जो उत्तर द्वीप से दक्षिण द्वीप की ओर यात्रा कर रहा था।

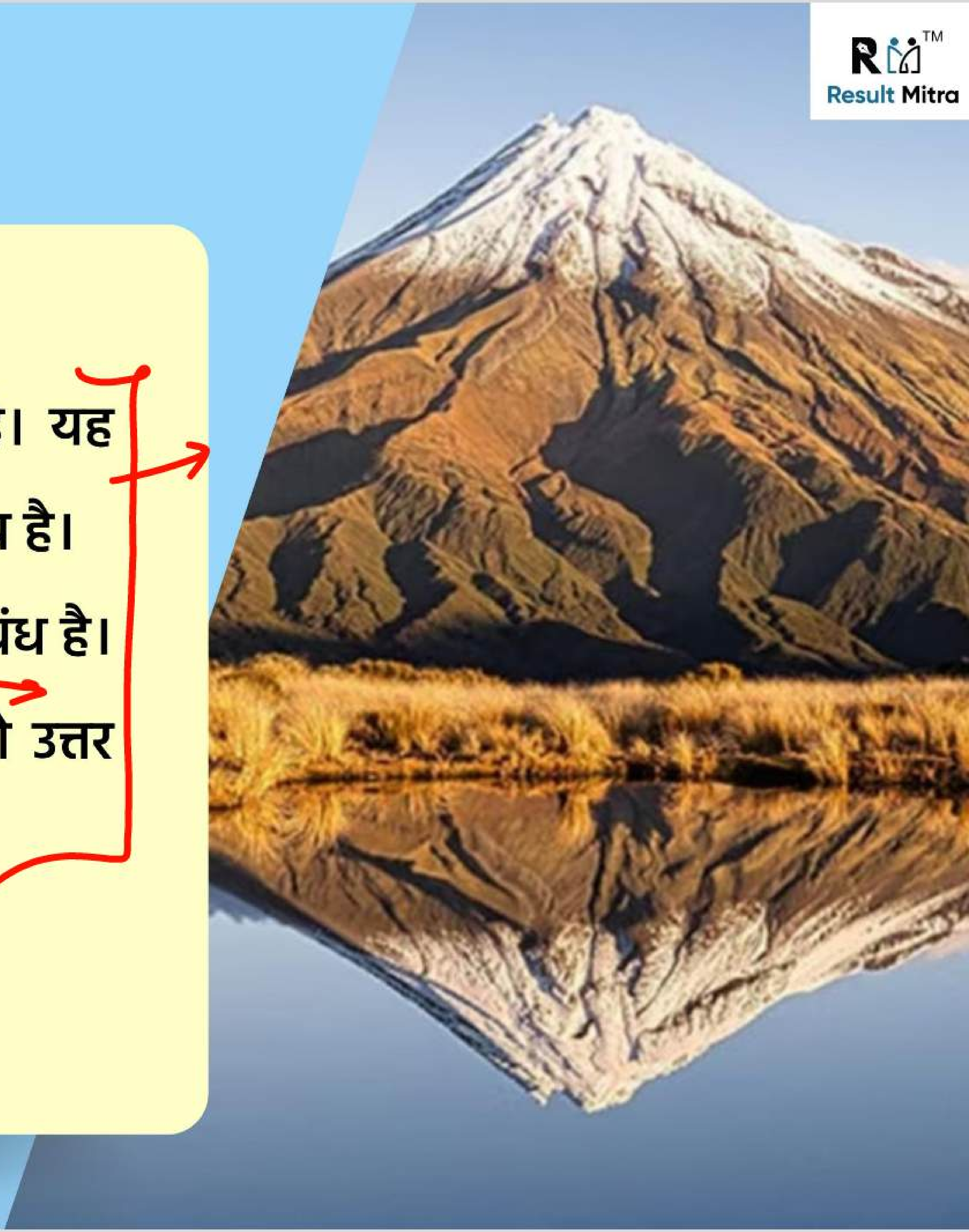

माउंट तारानाकी के बारे में

माउंट तारानाकी के बारे में रोचक तथ्य:

- पर्यावरण संरक्षण: इस पर्वत को कानूनी दर्जा देने का मुख्य उद्देश्य इसका संरक्षण करना है। अब इस पर्वत को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाया जाएगा।

माउंट तारानाकी के बारे में

माउंट तारानाकी को कानूनी दर्जा देने का महत्व:

- माओरी समुदाय के लिए सम्मान: यह निर्णय माओरी समुदाय के विश्वासों और संस्कृति का सम्मान करता है।
- पर्यावरण संरक्षण: यह पर्वत और उसके आसपास के क्षेत्र की रक्षा करने में मदद करेगा।
- अन्य देशों के लिए उदाहरण: यह निर्णय अन्य देशों के लिए एक उदाहरण है कि कैसे प्रकृति को संरक्षित किया जा सकता है।

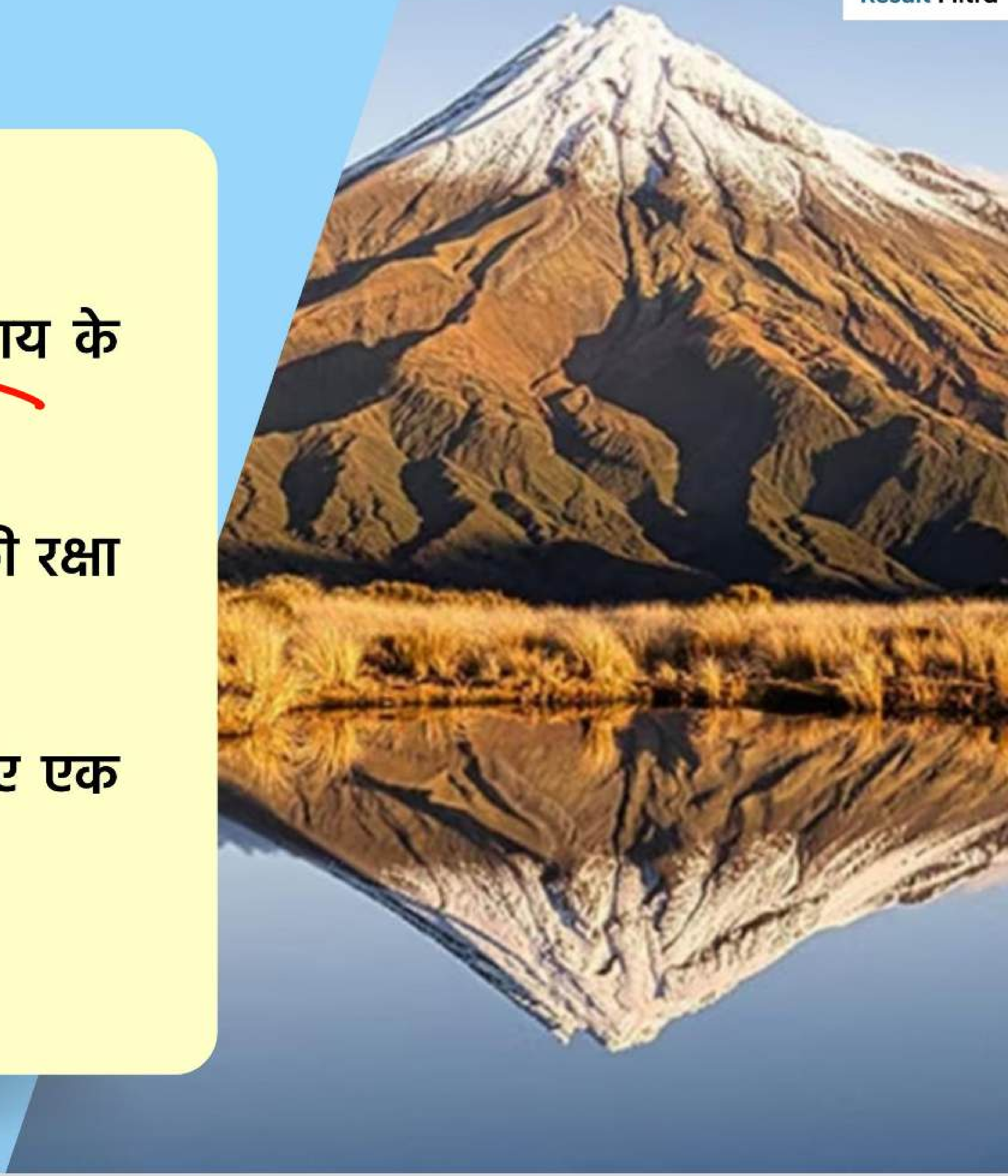

Result Mitra

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

Result Mitra

न्यूज़ीलैंड:

- न्यूज़ीलैंड दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, विविध संस्कृति और उच्च जीवन स्तर के लिए जाना जाता है।

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

Result Mitra

न्यूज़ीलैंड की कुछ प्रमुख विशेषताएं:

- प्राकृतिक सौंदर्य: न्यूज़ीलैंड की प्राकृतिक सुंदरता अद्वितीय है। यहां आपको शानदार पर्वत, झीलें, नदियां, जंगल और समुद्र तट मिलेंगे।
- फियॉर्डलैंड नेशनल पार्क: यह विश्व विरासत स्थल है और यहां आप फियॉर्ड्स, ग्लेशियर और वर्षावन देख सकते हैं।

पहाड़ को इंसान का दर्जा: एक अनोखी पहल

न्यूज़ीलैंड की कुछ प्रमुख विशेषताएं:

- टोंगारीरो नेशनल पार्क: यह पर्वतारोहियों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है।
- रोटोरुआ: यह शहर अपने गर्म पानी के झरनों और भूगर्भीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

न्यूज़ीलैंड की कुछ प्रमुख विशेषताएं:

- माओरी संस्कृति: न्यूज़ीलैंड की संस्कृति माओरी लोगों के इतिहास और परंपराओं से काफी प्रभावित है। माओरी कला, संगीत और नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।
- खेल: न्यूज़ीलैंड रग्बी खेल के लिए जाना जाता है। ऑल ब्लैक्स रग्बी टीम दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक है।

न्यूज़ीलैंड की कुछ प्रमुख विशेषताएं:

- शिक्षा: न्यूज़ीलैंड की शिक्षा प्रणाली दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक मानी जाती है।
- जीवन स्तर: न्यूज़ीलैंड में जीवन स्तर बहुत उच्च है। यहां के लोग स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के उच्च स्तर का आनंद लेते हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य न्यूजीलैंड के माउंट तारानाकी को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा देने के संदर्भ में सही है?

A) माउंट तारानाकी को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा देने का उद्देश्य माओरी संस्कृति की मान्यता को बढ़ावा देना है।

B) माउंट तारानाकी को कानूनी रूप से एक व्यक्ति का दर्जा देने से न्यूजीलैंड में पर्यावरणीय संकट बढ़ने की संभावना है।

C) माउंट तारानाकी का यह निर्णय केवल माओरी समुदाय के धार्मिक विश्वासों को मान्यता देने के लिए लिया गया था।

D) न्यूजीलैंड द्वारा माउंट तारानाकी को कानूनी दर्जा देने का उद्देश्य इसके ऐतिहासिक महत्व को नकारना था।

Result Mitra

विश्व कैंसर दिवस और कैंसर की बढ़ती हुई स्थिति चिंताजनक

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

विश्व कैंसर दिवस और कैंसर की बढ़ती हुई स्थिति चिंताजनक

Result Mitra™

- विश्व कैंसर दिवस हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिन कैंसर जागरूकता बढ़ाने और कैंसर से लड़ने के लिए वैश्विक प्रयासों को एकजुट करने के लिए समर्पित है। हाल के वर्षों में कैंसर के मामलों में वृद्धि हुई है, जिसने दुनिया भर में स्वास्थ्य अधिकारियों और वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय बना दिया है।

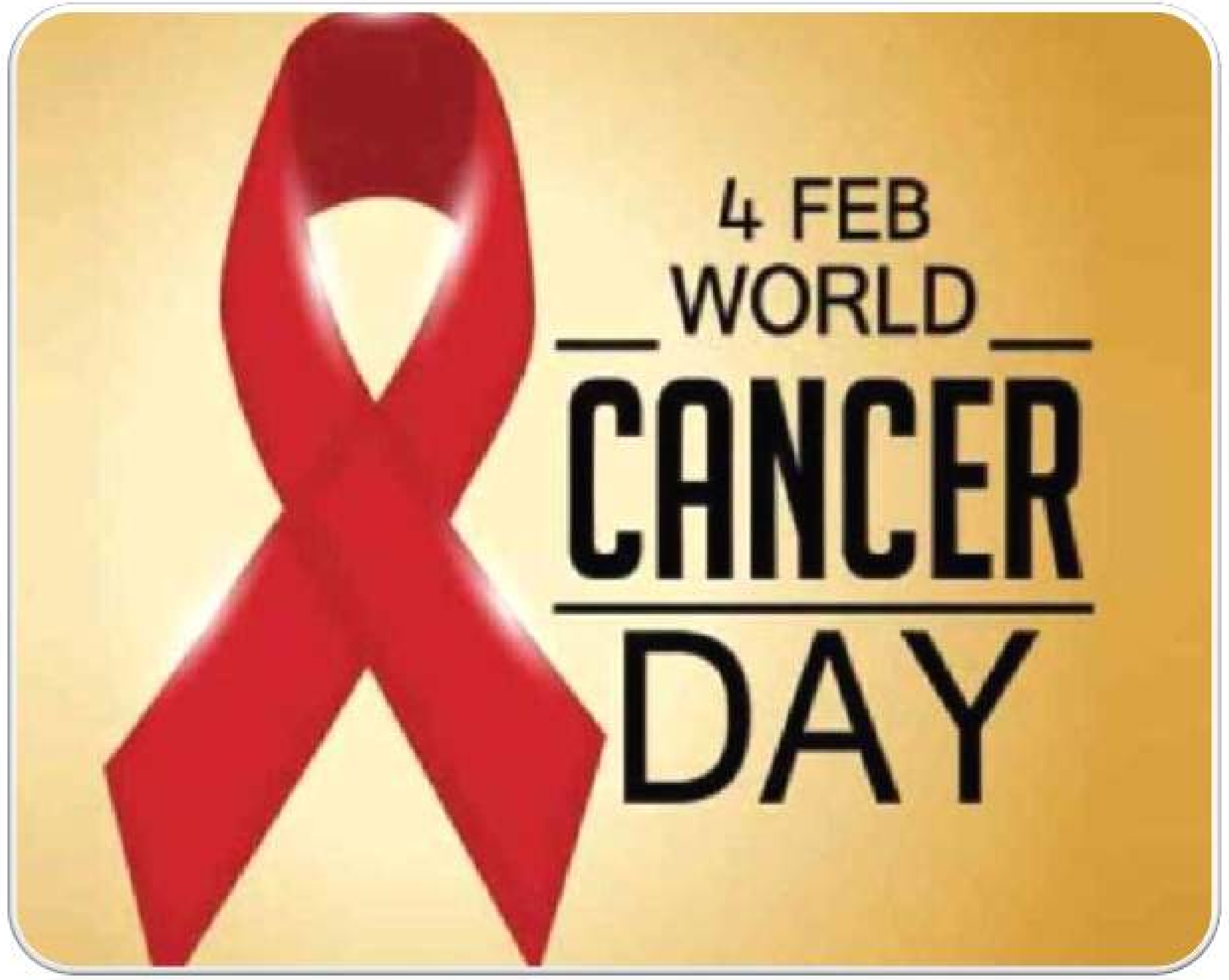

कैंसर के बढ़ते मामलों के कारण:

- **जीवनशैली:** अस्वस्थ आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू का सेवन और शराब का सेवन कैंसर के प्रमुख जोखिम कारक हैं।
- **पर्यावरणीय प्रदूषण:** वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और रसायनों के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।
- **आनुवंशिक कारक:** कुछ प्रकार के कैंसर आनुवंशिक होते हैं, यानी वे परिवारों में चलते हैं।

कैंसर के बढ़ते मामलों के कारण:

- **बढ़ती उम्र:** बढ़ती उम्र के साथ कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।
- **जीवनशैली में बदलाव:** आधुनिक जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तनाव, अनियमित नींद और मोटापा भी कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं।

अन्य देशों में इस तरह के प्रयास:

- **जागरूकता बढ़ाना:** लोगों को कैंसर के लक्षणों और जोखिम कारकों के बारे में जागरूक करना।
- **निवारण:** स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाकर और जोखिम कारकों से बचकर कैंसर को रोका जा सकता है।
- **प्रारंभिक निदान:** जल्दी निदान कैंसर के इलाज में बहुत महत्वपूर्ण है।

अन्य देशों में इस तरह के प्रयास:

- **उपचार:** कैंसर के इलाज के लिए कई तरह के उपचार उपलब्ध हैं, जैसे कि सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी।
- **शोध:** कैंसर के कारणों और इलाज के नए तरीकों पर शोध जारी है।

ड्रगथेरेपी
इम्यूनोथेरेपी

विश्व कैंसर दिवस का महत्व:

- **जागरूकता फैलाना:** यह दिन लोगों को कैंसर के बारे में जागरूक करने का एक अवसर प्रदान करता है।
- **धन जुटाना:** इस दिन कैंसर रोगियों की मदद के लिए धन जुटाया जाता है।
- **सरकारों और संगठनों को प्रेरित करना:** यह दिन सरकारों और संगठनों को कैंसर से लड़ने के लिए अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है।

कैंसर

एक गंभीर बीमारी

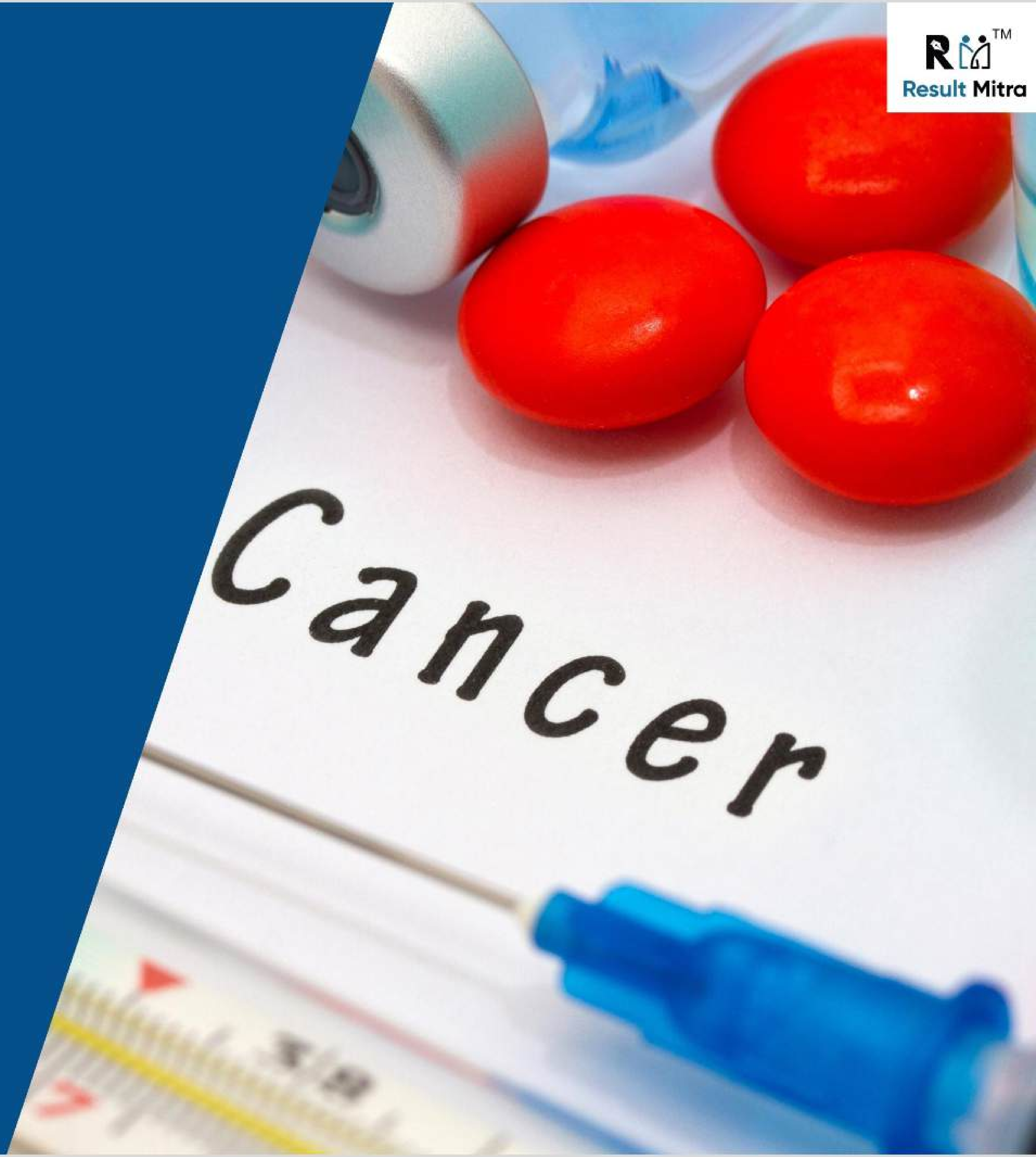

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

- कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ती हैं और फैलती हैं। ये कोशिकाएं सामान्य कोशिकाओं के कार्य को बाधित करती हैं और शरीर के अन्य अंगों में भी फैल सकती हैं।

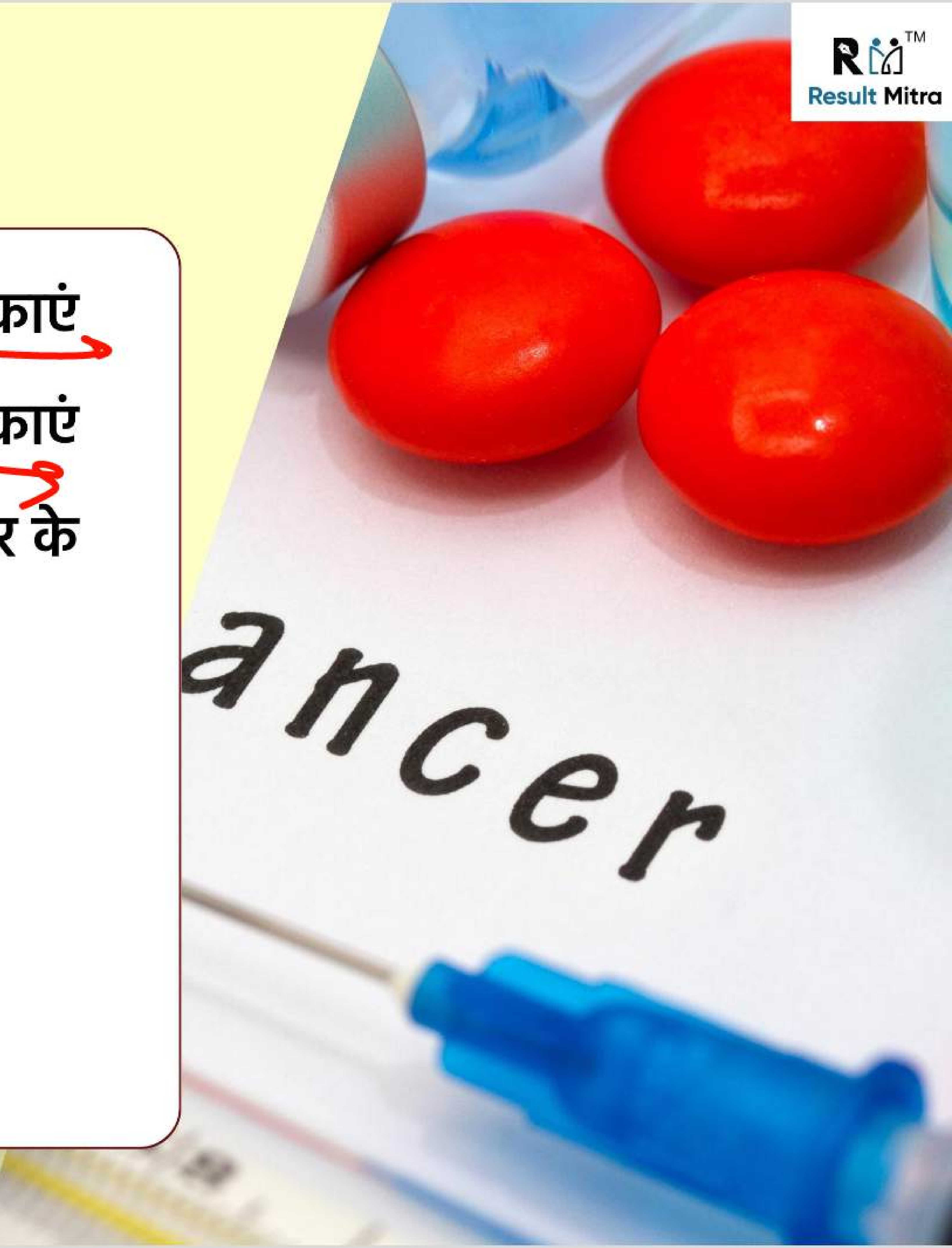

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर के प्रकार:

कैंसर कई प्रकार के होते हैं और शरीर के किसी भी अंग में हो सकते हैं। कुछ सामान्य प्रकार के कैंसरों में शामिल हैं:

- फेफड़े का कैंसर: यह दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है।
- स्तन कैंसर: महिलाओं में सबसे आम कैंसरों में से एक है।

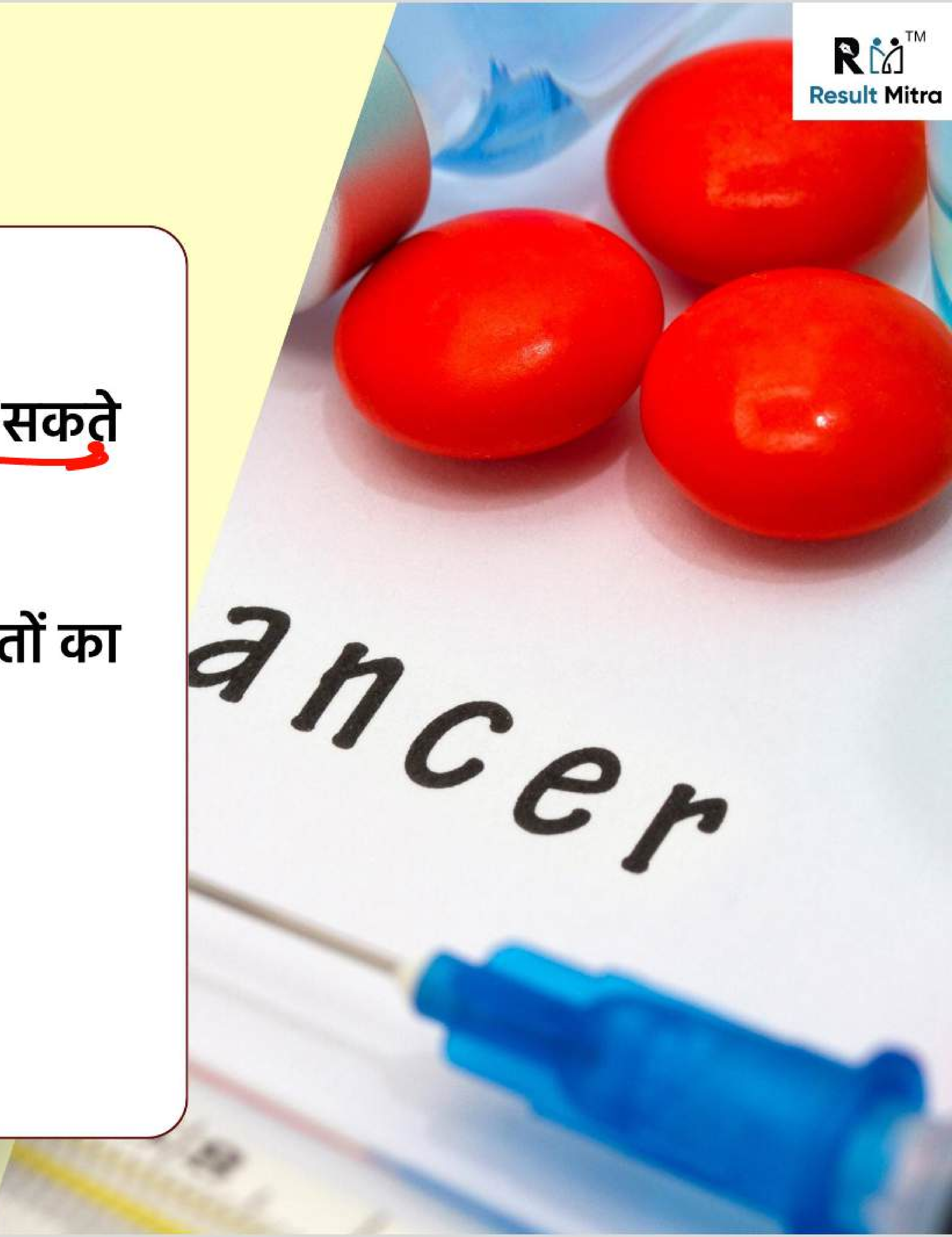

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर के प्रकार:

- प्रोस्टेट कैंसर: पुरुषों में सबसे आम कैंसरों में से एक है।
- कोलोन कैंसर: बड़ी आंत या मलाशय में होने वाला कैंसर।
- रक्त कैंसर: जैसे कि ल्यूकेमिया और लिंफोमा।

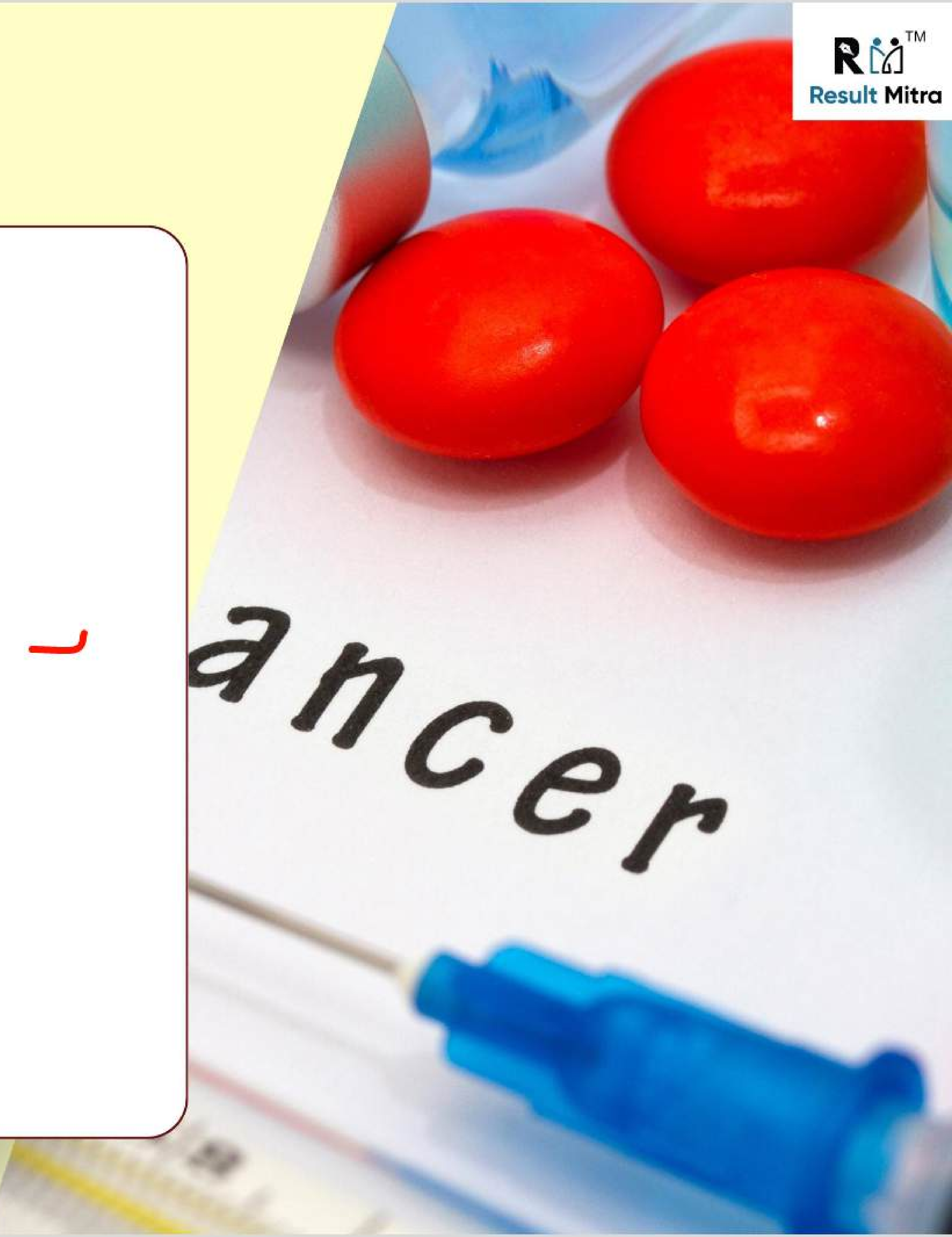

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर के लक्षण:

- कैंसर के लक्षण विभिन्न प्रकार के कैंसर और उसके चरण के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:
  - थकान
  - वजन कम होना
  - बुखार
  - दर्द
  - त्वचा में परिवर्तन
  - सूजन
  - खून आना

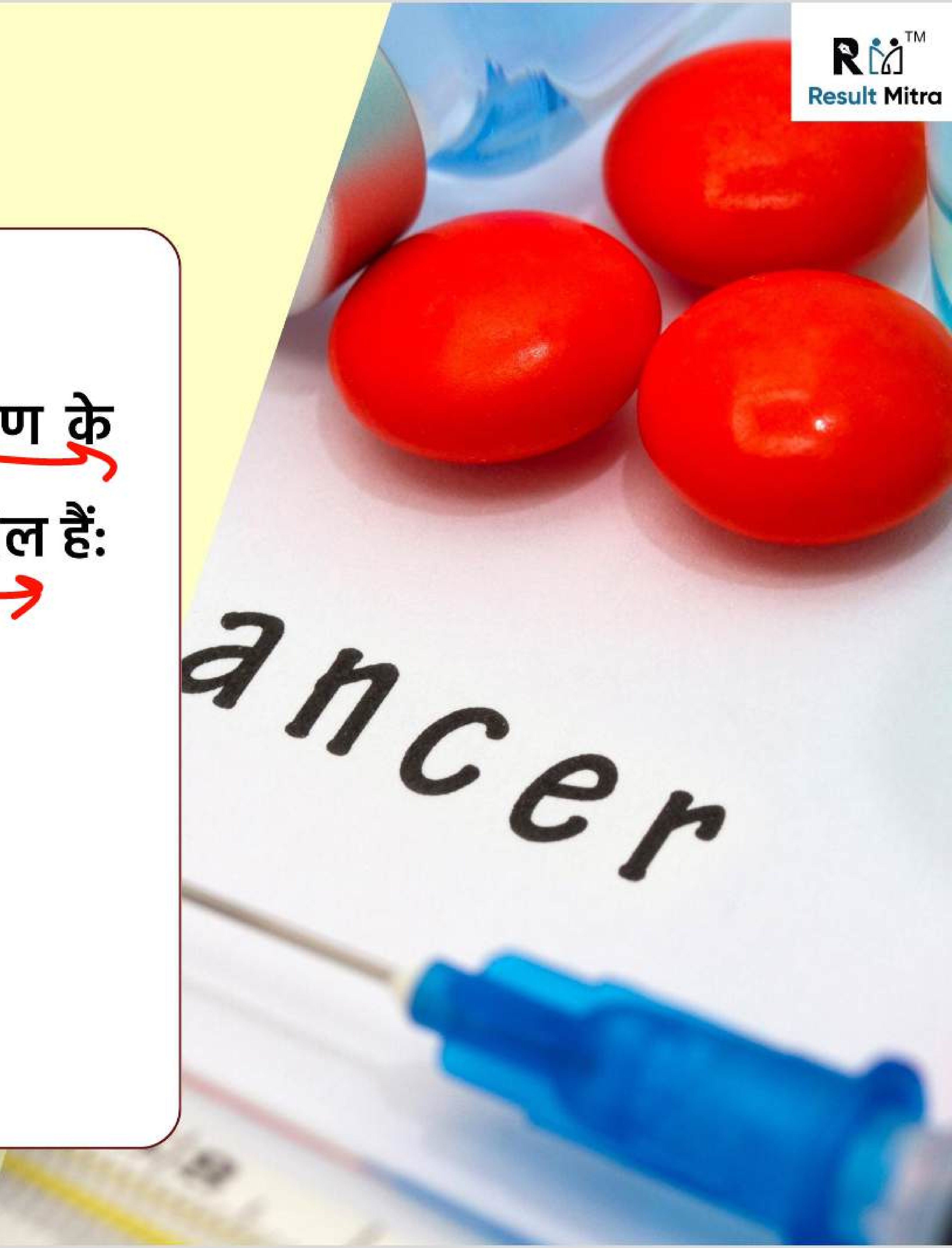

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर के कारण:

Mrna vaccine

कैंसर के कारणों में शामिल हैं:

- आनुवंशिक कारक: कुछ प्रकार के कैंसर आनुवंशिक होते हैं, यानी वे परिवारों में चल सकते हैं।
- जीवनशैली: धूम्रपान, शराब का सेवन, अस्वस्थ आहार और शारीरिक गतिविधि की कमी कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- पर्यावरणीय कारक: कुछ रसायन, विकिरण और वायरस कैंसर का कारण बन सकते हैं।

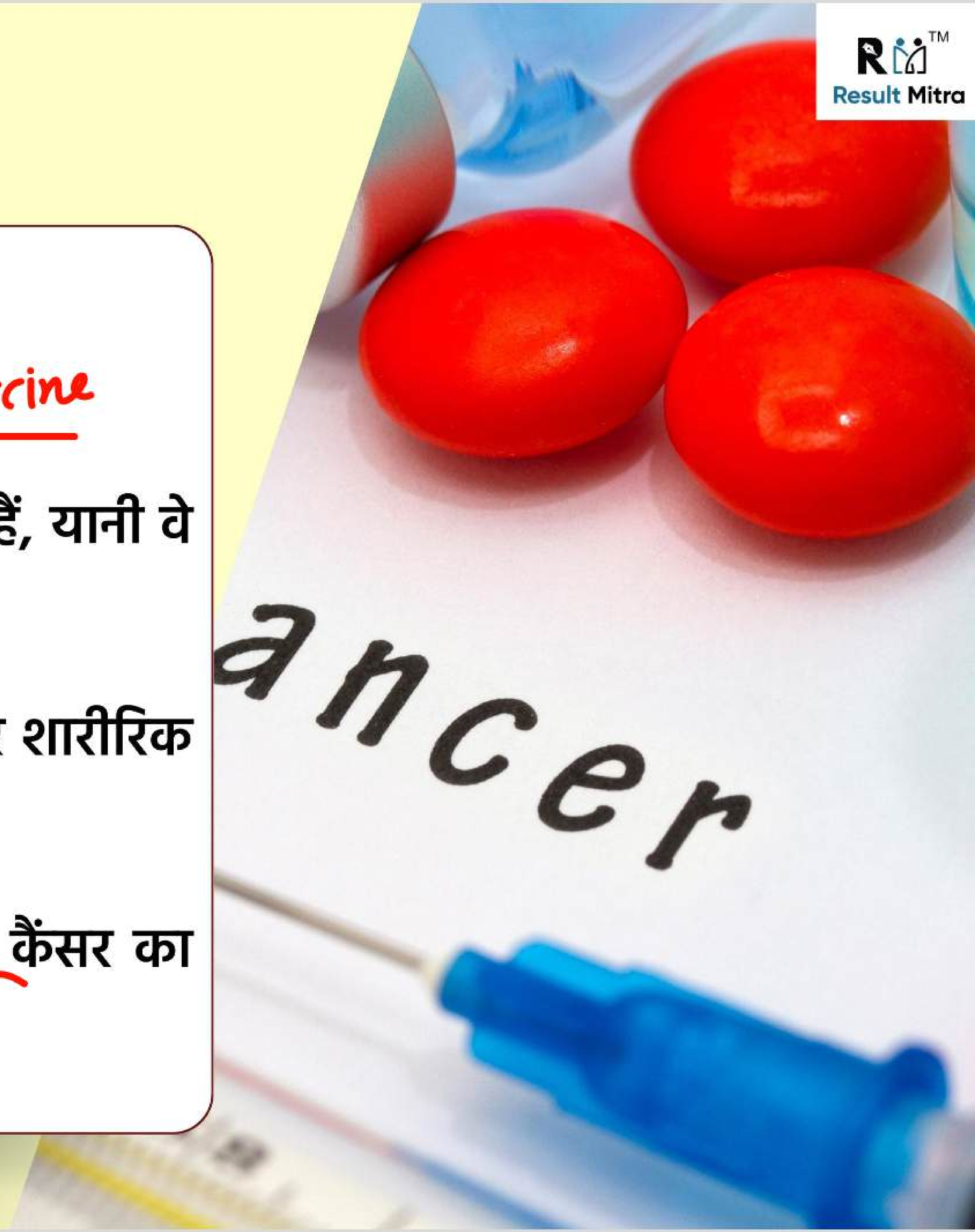

Result Mitra

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर का निदान:

- कैंसर का निदान विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है, जैसे कि:
- बायोप्सी: शरीर से कोशिकाओं का नमूना लेकर उनकी जांच करना।
- इमेजिंग टेस्ट: एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसे परीक्षण।
- रक्त परीक्षण: रक्त में कैंसर कोशिकाओं की उपस्थिति की जांच करना।

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

Result Mitra

कैंसर का उपचार:

कैंसर के उपचार में शामिल हैं:

- सर्जरी: कैंसर कोशिकाओं को हटाना।
- कीमोथेरेपी: दवाओं का उपयोग करके कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करना।
- रेडियोथेरेपी: विकिरण का उपयोग करके कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करना।
- लक्षित चिकित्सा: कैंसर कोशिकाओं को विशिष्ट रूप से लक्षित करने वाली दवाएं।

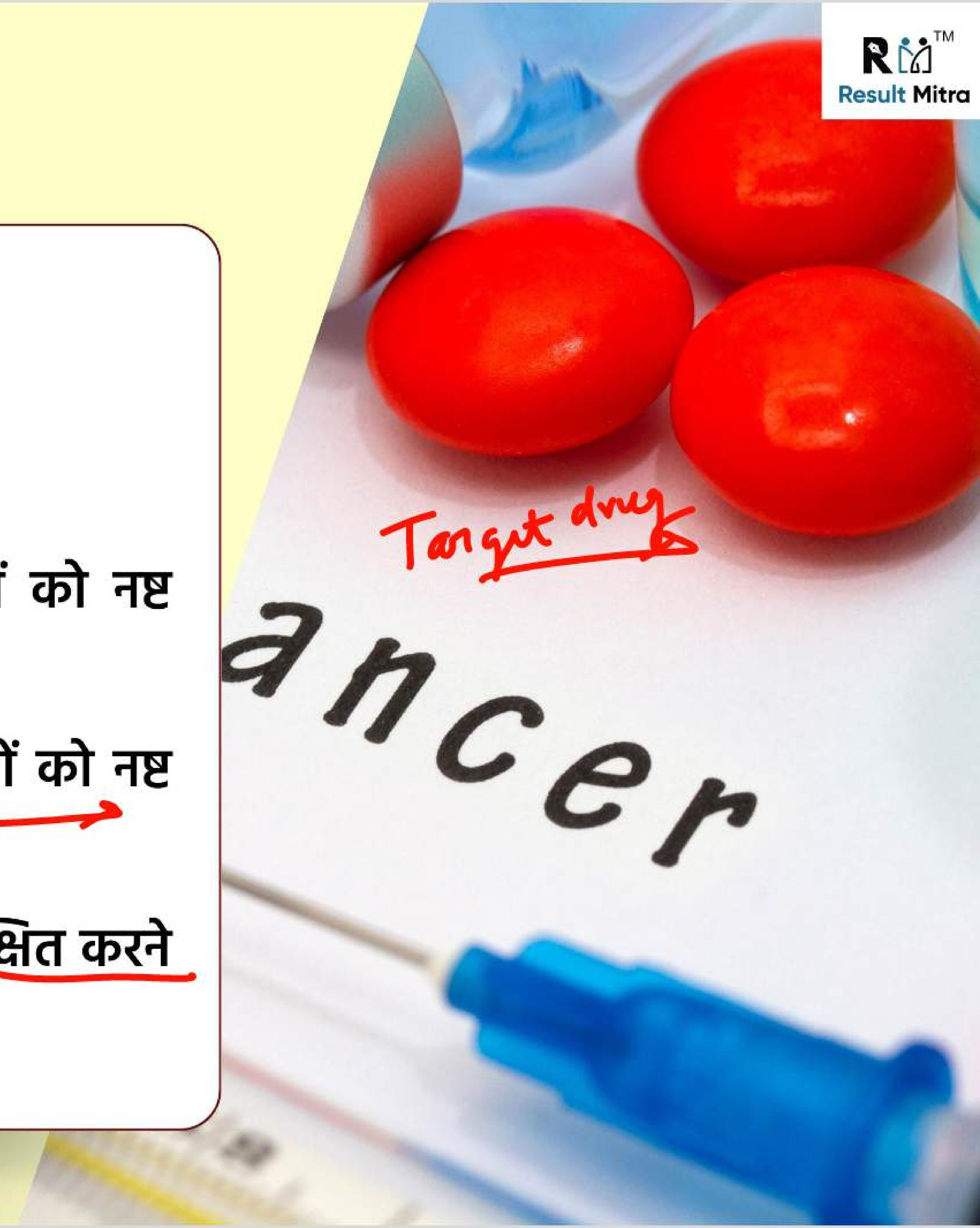

कैंसर: एक गंभीर बीमारी

कैंसर से बचाव:

कैंसर से बचाव के लिए आप निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं:

- स्वस्थ आहार: फलों, सब्जियों और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शारीरिक गतिविधि: नियमित रूप से व्यायाम करें।
- धूम्रपान छोड़ें: धूम्रपान फेफड़े के कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर का प्रमुख कारण है।
- शराब का सेवन कम करें: शराब का सेवन कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है।
- नियमित स्वास्थ्य जांच: नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं।

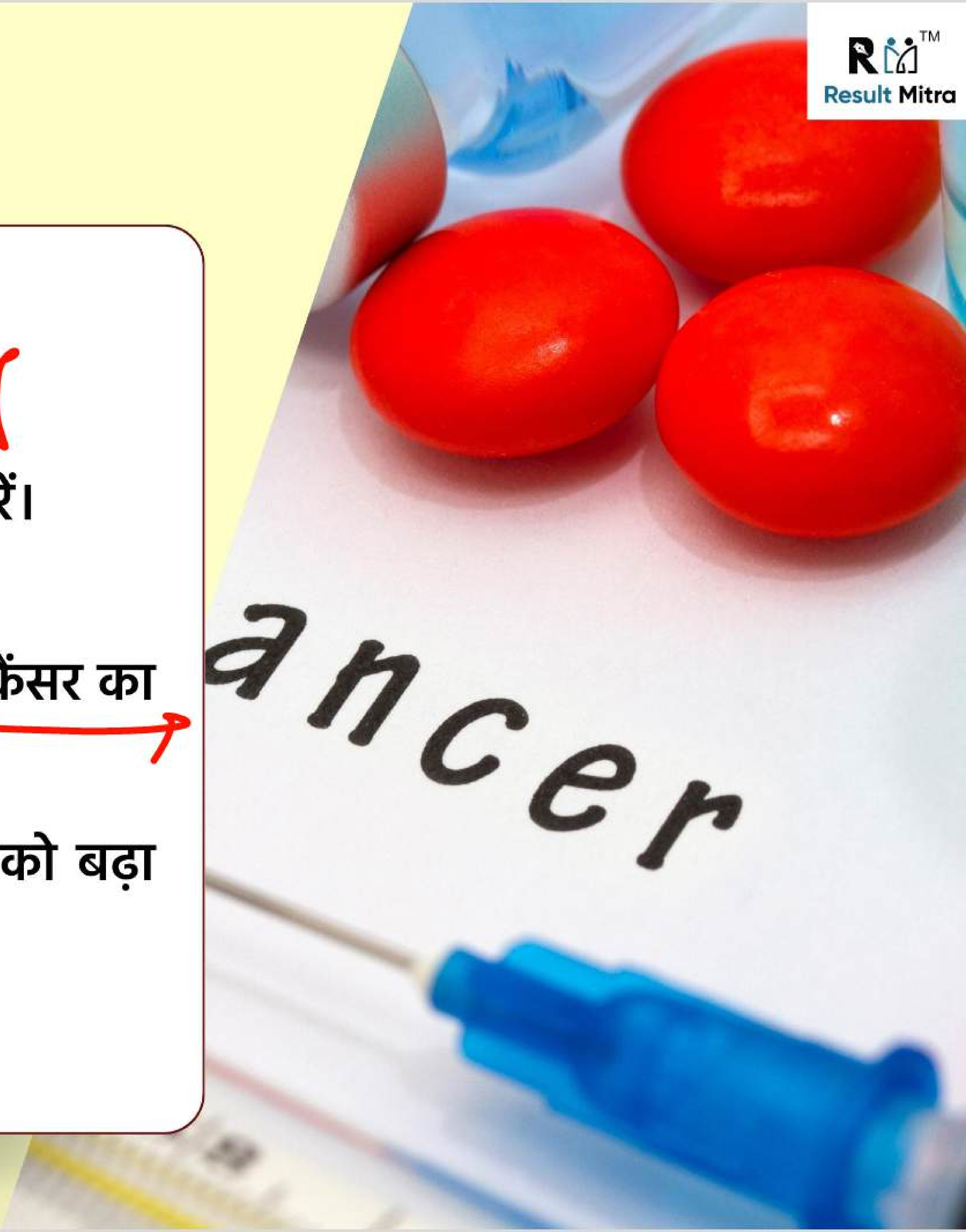

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: विश्व कैंसर दिवस का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A) कैंसर के उपचार में नवीनतम तकनीकों का प्रचार करना।

B) कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाना और वैश्विक स्तर पर कैंसर से लड़ने के प्रयासों को एकजुट करना।

C) कैंसर के इलाज के लिए धन जुटाना।

D) कैंसर के लक्षणों की पहचान के लिए नए परीक्षण विकसित करना।

Result Mitra

फोर्ब्स की दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की लिस्ट से भारत बाहर

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

फोर्ब्स की दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की लिस्ट से भारत बाहर

- दुनिया में सबसे प्रभावशाली और ताकतवर देशों की पहचान करने के लिए फोर्ब्स ने 2025 के टॉप 10 शक्तिशाली देशों की लिस्ट जारी की है. इस सूची में अमेरिका, चीन और रूस को टॉप स्थान मिले हैं. लेकिन, भारत को इस लिस्ट से बाहर कर दिया गया है, जिससे कई लोग हैरान हैं.

फोर्ब्स की दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की लिस्ट से भारत बाहर

- 195 देशों में से टॉप 10 ग्लोबल सुपरपावर देशों की रैंकिंग की लिस्ट यूएस न्यूज ने तैयार की है. इसमें भारत को शामिल नहीं किया गया है, जिससे फोर्ब्स की ओर से जारी की गई लिस्ट पर ही सवाल उठने लगे हैं.

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है भारत

- भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति होने के बावजूद इस सूची में स्थान नहीं बना पाया. यह सवाल उठाता है कि आखिर किन कारणों से भारत को इस सूची से बाहर रखा गया.

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है भारत

- ग्लोबल सुपरपावर के तौर पर फोर्ब्स की टॉप 10 देशों की सूची में जिन देशों को शामिल किया गया है, उनमें अमेरिका, चीन, रूस, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जापान, सऊदी अरब और इजराइल हैं. भारत का नाम इस सूची में कहीं नहीं है, जो एक चौंकाने वाली बात है.

भारत को बाहर करने के पीछे की वजहें

- विशेषज्ञों के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति और वैश्विक कूटनीति के बावजूद इस सूची से बाहर किए जाने के पीछे कुछ खास कारण हो सकते हैं. इन कारणों में वैश्विक प्रभाव की तुलना में सीमित कूटनीतिक दबदबा प्रमुख है.
- भारत भले ही जी20 और एससीओ जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सक्रिय है, लेकिन अमेरिका, चीन और रूस की तरह इसका वैश्विक प्रभाव अभी भी सीमित माना जाता है.

भारत को बाहर करने के पीछे की वजहें

- भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है, लेकिन चीन और अमेरिका की तुलना में यह तकनीकी रूप से कम उन्नत मानी जाती है.
- भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी ढांचे की चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं. इससे भारत का प्रभाव सीमित हो सकता है.

भारत को बाहर करने के पीछे की वजहें

- भारत ने किसी भी सैन्य गठबंधन (जैसे नाटो) का हिस्सा बनने से इनकार किया है, जिससे इसकी रणनीतिक शक्ति प्रभावित होती है.

क्या भारत को इस सूची में होना चाहिए था?

- भारत का इस सूची से बाहर रहना बहस का विषय बन चुका है. भारत की अर्थव्यवस्था 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर होने की ओर बढ़ रही है. भारत की जनसंख्या दुनिया में सबसे अधिक है, जिससे यह सबसे बड़े बाज़ारों में से एक बनता जा रहा है.
- भारत ने चंद्रयान-3 और रक्षा क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल की हैं, जो इसकी वैज्ञानिक और तकनीकी शक्ति को दर्शाती हैं. इसके बावजूद, फोर्ब्स ने भारत को ग्लोबल सुपरपावर के तौर पर मान्यता नहीं दी.

फोर्ब्स की दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की लिस्ट से भारत बाहर

फोर्ब्स: दुनिया की सबसे बड़ी बिजनेस पत्रिकाओं में से एक

- फोर्ब्स एक अमेरिकी मीडिया कंपनी है जो बिजनेस, वित्त और जीवनशैली से संबंधित पत्रिकाओं और डिजिटल मीडिया के लिए जानी जाती है।
- यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली बिजनेस पत्रिकाओं में से एक है। फोर्ब्स दुनिया के अमीरतम लोगों की सूची (फोर्ब्स 400) के लिए विशेष रूप से जानी जाती है।

फोर्ब्स क्या करता है?

- **बिजनेस समाचार:** फोर्ब्स दुनिया भर के बिजनेस समाचारों को कवर करती है। इसमें कंपनियों के प्रदर्शन, उद्योग के रुझान, और अर्थव्यवस्था के बारे में समाचार शामिल हैं।
- **अमीर लोगों की सूची:** फोर्ब्स हर साल दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची प्रकाशित करती है, जिसे फोर्ब्स 400 के नाम से जाना जाता है।

फोर्ब्स क्या करता है?

- **रैंकिंग:** फोर्ब्स विभिन्न क्षेत्रों में कंपनियों, देशों और व्यक्तियों की रैंकिंग प्रकाशित करती है, जैसे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश, दुनिया के सबसे बड़े ब्रांड, आदि।
- **विश्लेषण:** फोर्ब्स बिजनेस और अर्थव्यवस्था के बारे में गहराई से विश्लेषणात्मक लेख प्रकाशित करती है।

फोर्ब्स का महत्व:

- **वैश्विक प्रभाव:** फोर्ब्स दुनिया भर में पढ़ी जाने वाली पत्रिका है और इसका व्यापक प्रभाव होता है।
- **विश्वसनीय स्रोत:** फोर्ब्स को बिजनेस और वित्त के क्षेत्र में एक विश्वसनीय स्रोत माना जाता है।
- **नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना:** फोर्ब्स नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

फोर्ब्स की कुछ लोकप्रिय रैंकिंग:

- फोर्ब्स 400: दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची
- दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश
- दुनिया के सबसे बड़े ब्रांड
- सबसे प्रभावशाली महिलाएं

फोर्ब्स का इतिहास:

- फोर्ब्स की स्थापना 1917 में बी.सी. फोर्ब्स ने की थी। शुरू में यह एक छोटी सी पत्रिका थी, लेकिन धीरे-धीरे यह दुनिया की सबसे बड़ी बिजनेस पत्रिकाओं में से एक बन गई।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: फोर्ब्स द्वारा जारी किए गए 2025 के सबसे शक्तिशाली देशों की सूची में भारत का नाम क्यों नहीं है?

A) भारत की सैन्य शक्ति कम विकसित है, जिससे इसका स्थान सूची में नहीं आया।

B) भारत ने सैन्य गठबंधन में शामिल होने से इनकार किया है।

C) भारत की अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण इसे सूची से बाहर रखा गया।

D) भारत के वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव की कमी के कारण इसे सूची में शामिल नहीं किया गया।

अमेरिका-चीन विवाद: चीन को लगा एक और बड़ा झटका, ट्रंप की आगे झुका पनामा

Result Mitra

अमेरिका-चीन विवाद: चीन को लगा एक और बड़ा झटका, ट्रंप की आगे झुका पनामा

मुख्य बिंदु:

- **पनामा का निर्णय:** पनामा ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) से नाम वापस लेने का फैसला किया है, जिससे वह ऐसा करने वाला पहला लैटिन अमेरिकी देश बन गया है।
- **पृष्ठभूमि:** पनामा ने पहले पिछली सरकार के तहत 2017 में BRI में शामिल होने का फैसला किया था।

अमेरिका-चीन विवाद: चीन को लगा एक और बड़ा झटका, ट्रंप की आगे झुका पनामा

मुख्य बिंदु:

- **अमेरिकी दबाव:** यह निर्णय संयुक्त राज्य अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच आया है, जिसने क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, विशेष रूप से पनामा नहर के संबंध में चिंता व्यक्त की है।
- **भू-राजनीतिक महत्व:** इस कदम से अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर प्रकाश पड़ता है, जिसमें पनामा फंसा हुआ है।

अमेरिका-चीन विवाद: चीन को लगा एक और बड़ा झटका, ट्रंप की आगे झुका पनामा

मुख्य बिंदु:

- **प्रभुसत्ता पर ध्यान:** पनामा ने पनामा नहर पर अपनी संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है, जो वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है।
- **आर्थिक विचार:** पनामा के निर्णय में BRI में भाग लेने के आर्थिक लाभों का पुनर्मूल्यांकन भी शामिल है, क्योंकि ऋण जाल और चीन के लिए संभावित दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं के बारे में चिंताएं हैं।

पनामा के निर्णय में योगदान देने वाले कारक:

- **अमेरिकी दबाव:** ट्रम्प प्रशासन के तहत और संभवतः वर्तमान प्रशासन के तहत भी, अमेरिका पनामा पर क्षेत्र में चीनी प्रभाव को कम करने के लिए दबाव डाल रहा है।
- **चीनी प्रभाव के बारे में चिंताएं:** अमेरिका ने पनामा नहर के पास चीनी नियंत्रित बुनियादी ढांचे के बारे में चिंता व्यक्त की है, सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए।

पनामा के निर्णय में योगदान देने वाले कारक:

- **बीआरआई लाभों का पुनर्मूल्यांकन:** कुछ देशों ने ऋण जाल और चीन के लिए संभावित दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए, BRI में भाग लेने के दीर्घकालिक आर्थिक लाभों के बारे में चिंता व्यक्त की है।
- **पनामा की संप्रभुता:** पनामा ने बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के सामने तटस्थता बनाए रखने की अपनी इच्छा और पनामा नहर पर अपनी संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है।

निहितार्थ:

- **भू-राजनीतिक पुनर्गठन:** पनामा का निर्णय इसकी विदेश नीति में एक बदलाव का संकेत दे सकता है, संभावित रूप से इसे अमेरिका के करीब ले जा सकता है।
- **बीआरआई पर प्रभाव:** इस वापसी से BRI पर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि यह अन्य देशों को पहल में अपनी भागीदारी पर पुनर्विचार करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

निहितार्थ:

- **अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा:** यह घटना अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करती है, जहां दोनों देश दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है:

- यह एक विकासशील स्थिति है, और पनामा के निर्णय के पूर्ण प्रभाव अभी देखे जाने बाकी हैं।
- यह विश्लेषण स्थिति का एक सामान्य अवलोकन प्रदान करता है और सभी दृष्टिकोणों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर कई बार चिंता जताई

- डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर कई बार चिंता जताई है। उनका मानना है कि चीन का पनामा जैसे महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थानों पर प्रभाव बढ़ाना अमेरिका के लिए खतरे की बात है।
- ट्रंप के अनुसार, चीन की पनामा जैसे देशों में बढ़ती उपस्थिति से अमेरिका की वैश्विक शक्ति और सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वह अक्सर चीन के विस्तारवादी नीतियों और दुनिया भर में अपने आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों के खिलाफ मुखर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर कई बार चिंता जताई

- विशेष रूप से पनामा नहर के नियंत्रण को लेकर, ट्रंप ने कहा था कि चीन द्वारा इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाना अमेरिका के हितों के लिए नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि पनामा नहर वैश्विक व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में एक अहम स्थान रखता है।

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI):

एक चीनी पहल

Result Mitra

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

Result Mitra

- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI), जिसे पहले "वन बेल्ट, वन रोड" के नाम से जाना जाता था, चीन सरकार द्वारा 2013 में शुरू की गई एक वैश्विक बुनियादी ढांचा विकास रणनीति है।
- इसका उद्देश्य यूरेशियाई क्षेत्र और उससे आगे व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक नेटवर्क विकसित करना है।

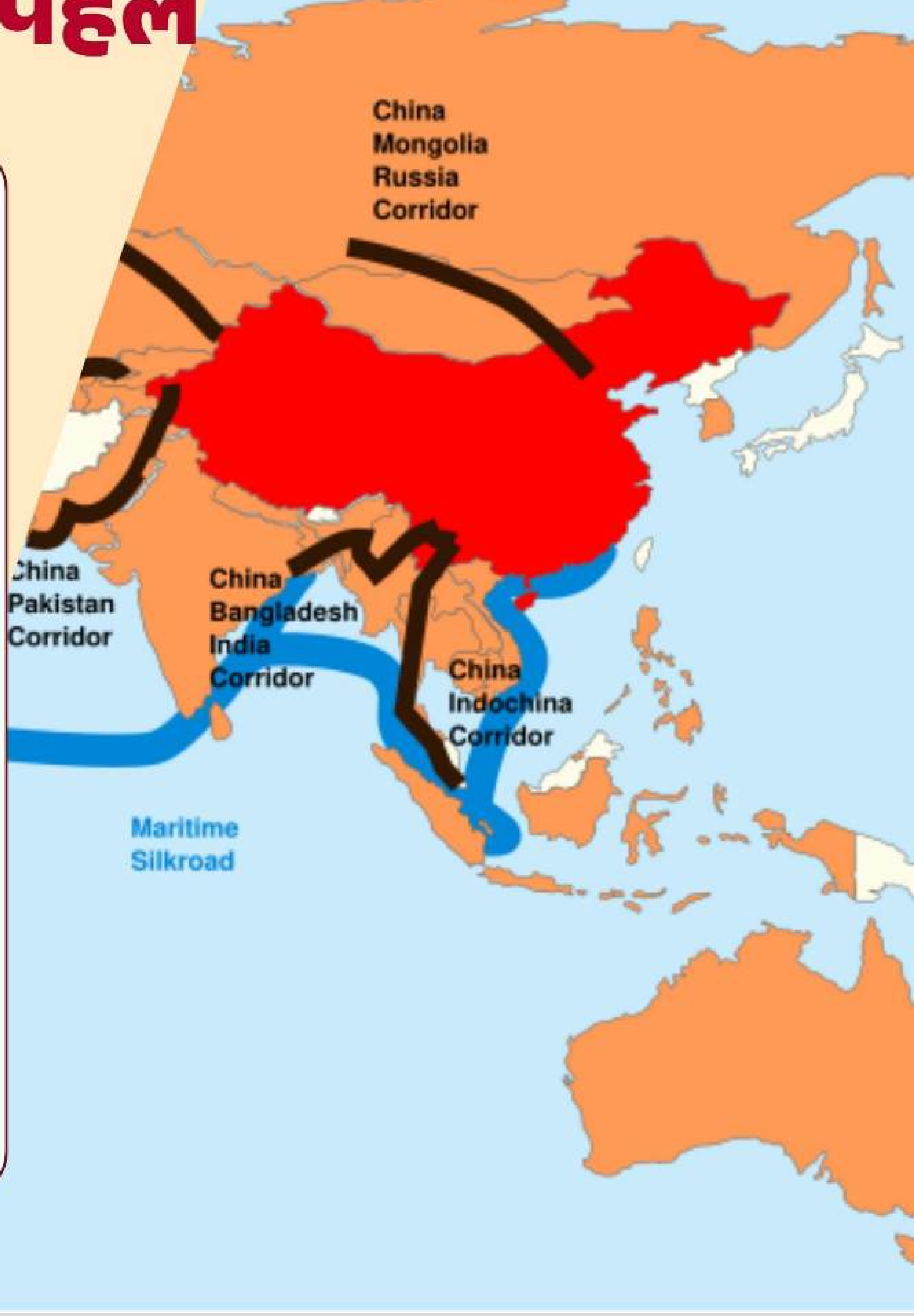

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

BRI के प्रमुख घटक:

- सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट: भूमि आधारित बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित है, जिसमें रेलवे, सड़कें और पाइपलाइन शामिल हैं, जो चीन को यूरोप और मध्य एशिया से जोड़ती हैं।
- 21वीं सदी का समुद्री सिल्क रोड: समुद्री व्यापार मार्गों पर केंद्रित है, जो चीन को दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, अफ्रीका और यूरोप से समुद्री बंदरगाहों और शिपिंग लेन के माध्यम से जोड़ता है।

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

Result Mitra

BRI के उद्देश्य:

- व्यापार को बढ़ावा देना: चीन और भागीदार देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- बुनियादी ढांचा विकास: विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना, जिससे आर्थिक विकास और विकास को बढ़ावा मिले।

Result Mitra

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

BRI के उद्देश्य:

- क्षेत्रीय संपर्क: भागीदार देशों के बीच क्षेत्रीय एकीकरण और सहयोग को बढ़ावा देना।
- चीनी प्रभाव का विस्तार: कुछ विश्लेषकों का मानना है कि BRI चीन के राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव का वैश्विक स्तर पर विस्तार करने का एक उपकरण है।

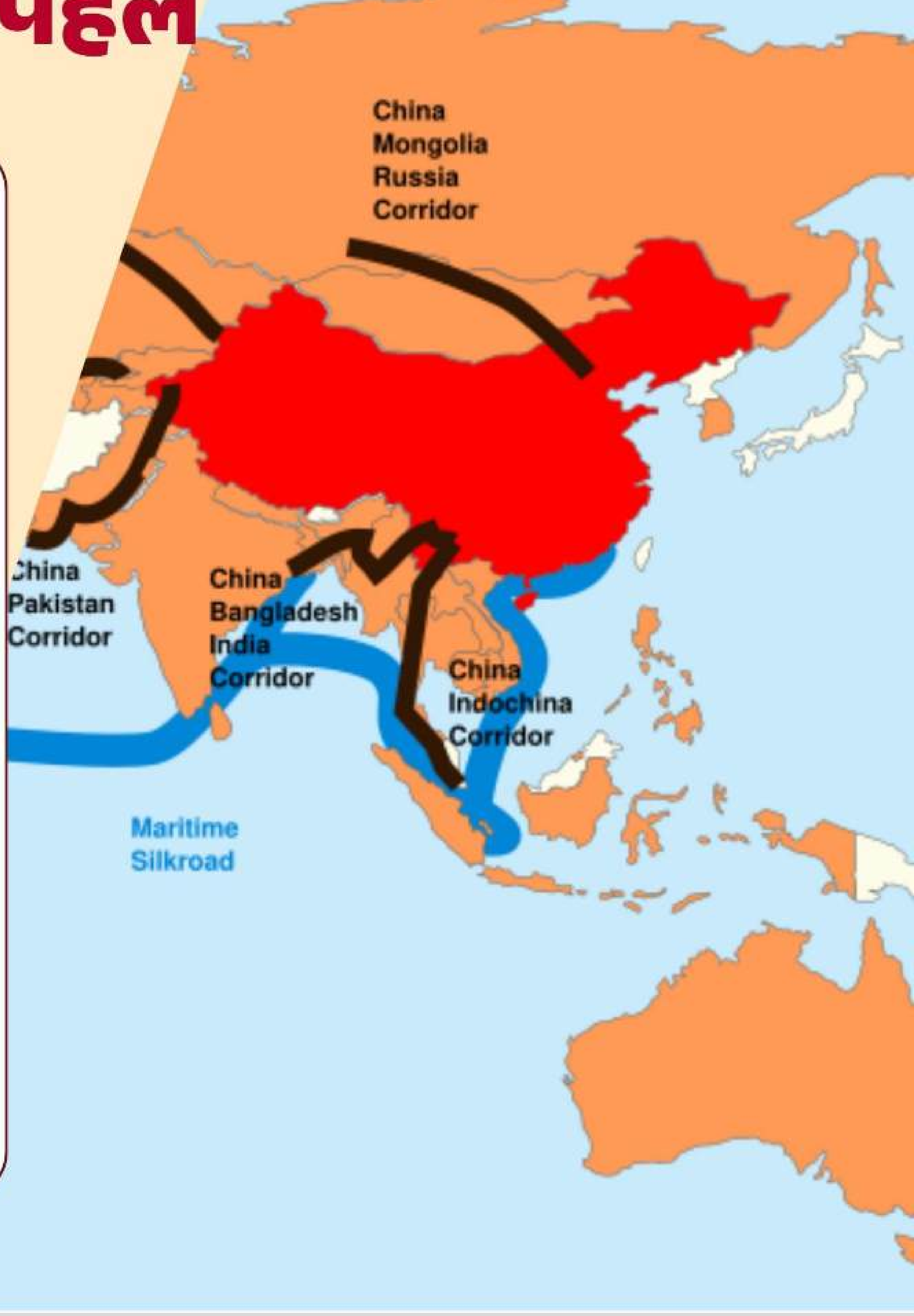

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

BRI की आलोचना और चिंताएं:

- ऋण जाल कूटनीति: आलोचकों का तर्क है कि कुछ BRI परियोजनाओं ने भागीदार देशों के लिए अस्थिर ऋण स्तरों को जन्म दिया है, जिससे "ऋण जाल कूटनीति" की चिंताएं पैदा हुई हैं।
- पर्यावरणीय चिंताएं: कुछ परियोजनाओं ने वनों की कटाई और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान जैसे पर्यावरणीय चिंताएं पैदा की हैं।

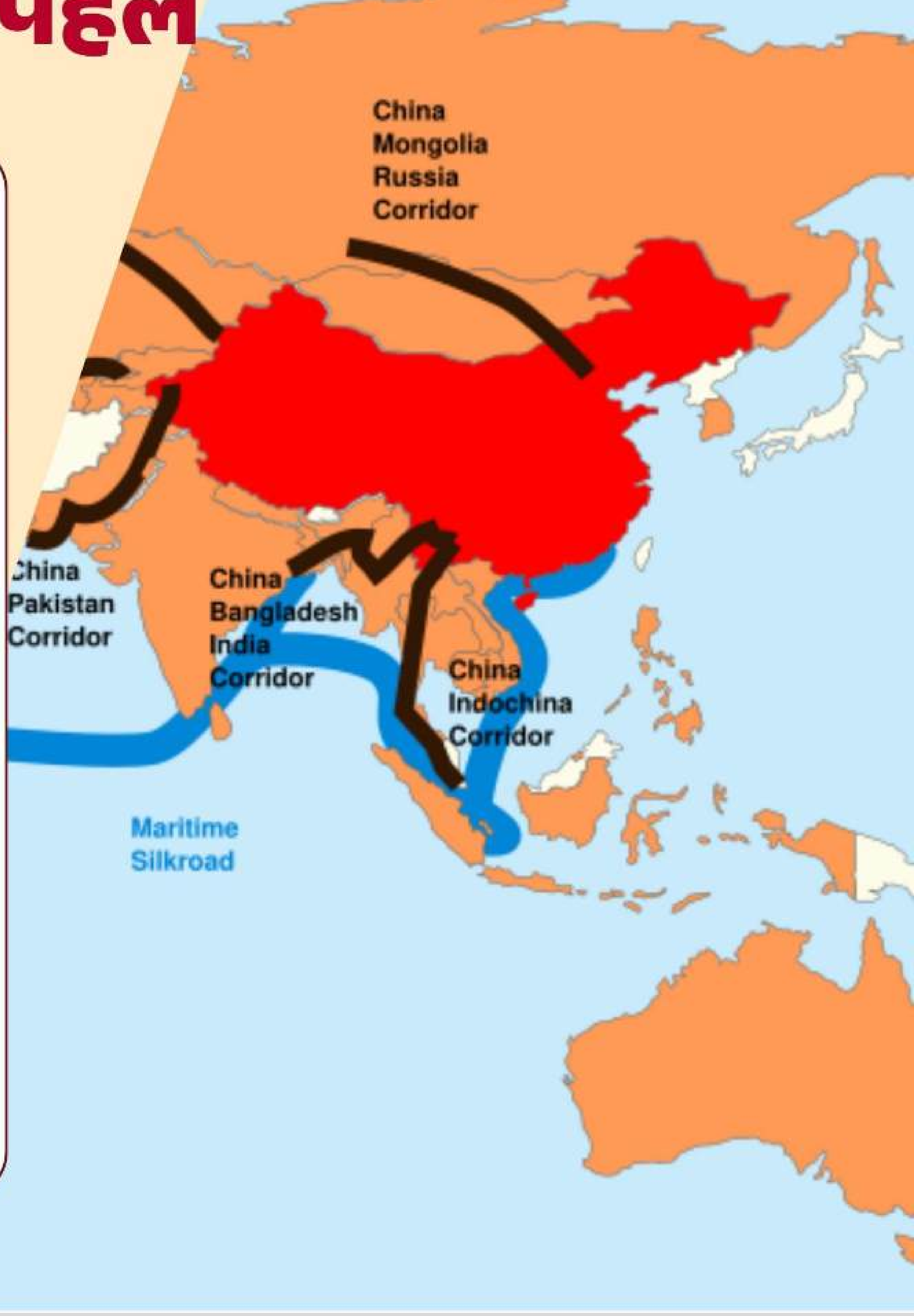

Result Mitra

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI): एक चीनी पहल

Result Mitra

BRI की आलोचना और चिंताएं:

- भू-राजनीतिक चिंताएं: इस पहल को कुछ देशों द्वारा चीन के राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव का विस्तार करने के लिए एक उपकरण के रूप में देखा गया है, जिससे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की चिंताएं पैदा हुई हैं।
- पारदर्शिता और जवाबदेही: कुछ BRI परियोजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के बारे में चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

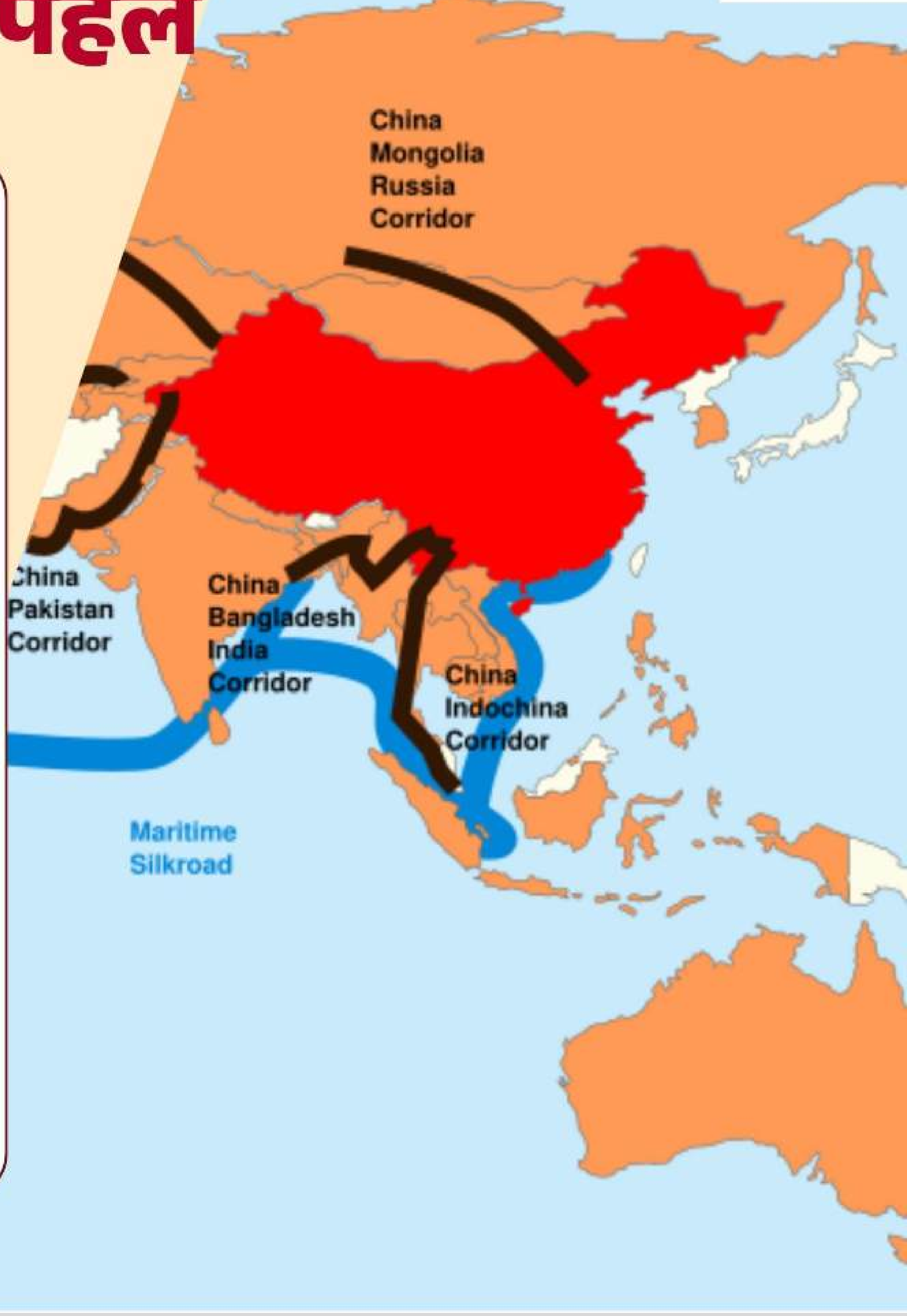

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: पनामा के द्वारा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) से नाम वापस लेने का मुख्य कारण क्या था?

A) पनामा की संप्रभुता की रक्षा और अमेरिका द्वारा बढ़ते दबाव का सामना।

B) पनामा ने चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया था।

C) पनामा ने सुरक्षा कारणों से अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय लिया था।

D) पनामा ने पर्यावरणीय कारणों से बीआरआई को छोड़ने का निर्णय लिया।

Result Mitra

नर्मदा जयंती और मां नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प

नर्मदा जयंती और मां नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प

- नर्मदा जयंती हर साल बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह न केवल एक धार्मिक पर्व है बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। इस वर्ष नर्मदा जयंती पर मां नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प लेना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

नर्मदा जयंती का महत्व

- **धार्मिक महत्व:** हिंदू धर्म में नर्मदा नदी को बहुत पवित्र माना जाता है। माना जाता है कि नर्मदा नदी में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मन को शांति मिलती है।
- **पर्यावरणीय महत्व:** नर्मदा नदी भारत की प्रमुख नदियों में से एक है और यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे कई राज्यों में बहती है। यह नदी न केवल धार्मिक महत्व रखती है बल्कि लाखों लोगों के लिए जीवनदायिनी भी है।

नर्मदा जयंती का महत्व

- **सांस्कृतिक महत्व:** नर्मदा नदी भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। इसके तट पर कई प्राचीन मंदिर और तीर्थस्थल स्थित हैं।

नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प

- नर्मदा नदी के प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गई है। औद्योगिक अपशिष्ट, घरेलू कचरा और कृषि रसायन नदी को प्रदूषित कर रहे हैं। इससे नदी का पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ रहा है और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प

- नर्मदा जयंती के अवसर पर नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प लेना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस संकल्प के तहत हम सभी को मिलकर नर्मदा नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रयास करने होंगे।

नर्मदा की स्वच्छता के लिए क्या किया जा सकता है?

- जागरूकता फैलाना: लोगों को नदी के प्रदूषण के खतरों के बारे में जागरूक करना।
- कचरा प्रबंधन: नदी के किनारे कूड़ा न फेंकना और कचरे का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से करना।
- औद्योगिक अपशिष्ट: उद्योगों को नदी में अपशिष्ट डालने से रोकना।

नर्मदा की स्वच्छता के लिए क्या किया जा सकता है?

- कृषि रसायनों का कम उपयोग: कृषि में रसायनों के उपयोग को कम करना।
- वृक्षारोपण: नदी के किनारे वृक्षारोपण करना।
- सरकारी नीतियां: सरकार को नदी की स्वच्छता के लिए प्रभावी नीतियां बनानी चाहिए।

नर्मदा जयंती और मां नर्मदा की स्वच्छता का संकल्प

Result Mitra™

आप नर्मदा जयंती पर क्या कर सकते हैं?

- नदी के किनारे पौधे लगाएं।
- नदी को साफ रखने के लिए स्वयंसेवा करें।
- लोगों को नदी के महत्व के बारे में जागरूक करें।
- सरकार को नदी की स्वच्छता के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित करें।

नर्मदा नदी

के बारे में

नर्मदा नदी के बारे में:

- नर्मदा नदी को मध्य प्रदेश की जीवन रेखा कहा जाता है.
- नर्मदा नदी, भारत की पांचवीं सबसे लंबी नदी है.
- नर्मदा नदी, भारत की सबसे लंबी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है.
- नर्मदा नदी को रेवा के नाम से भी जाना जाता है.

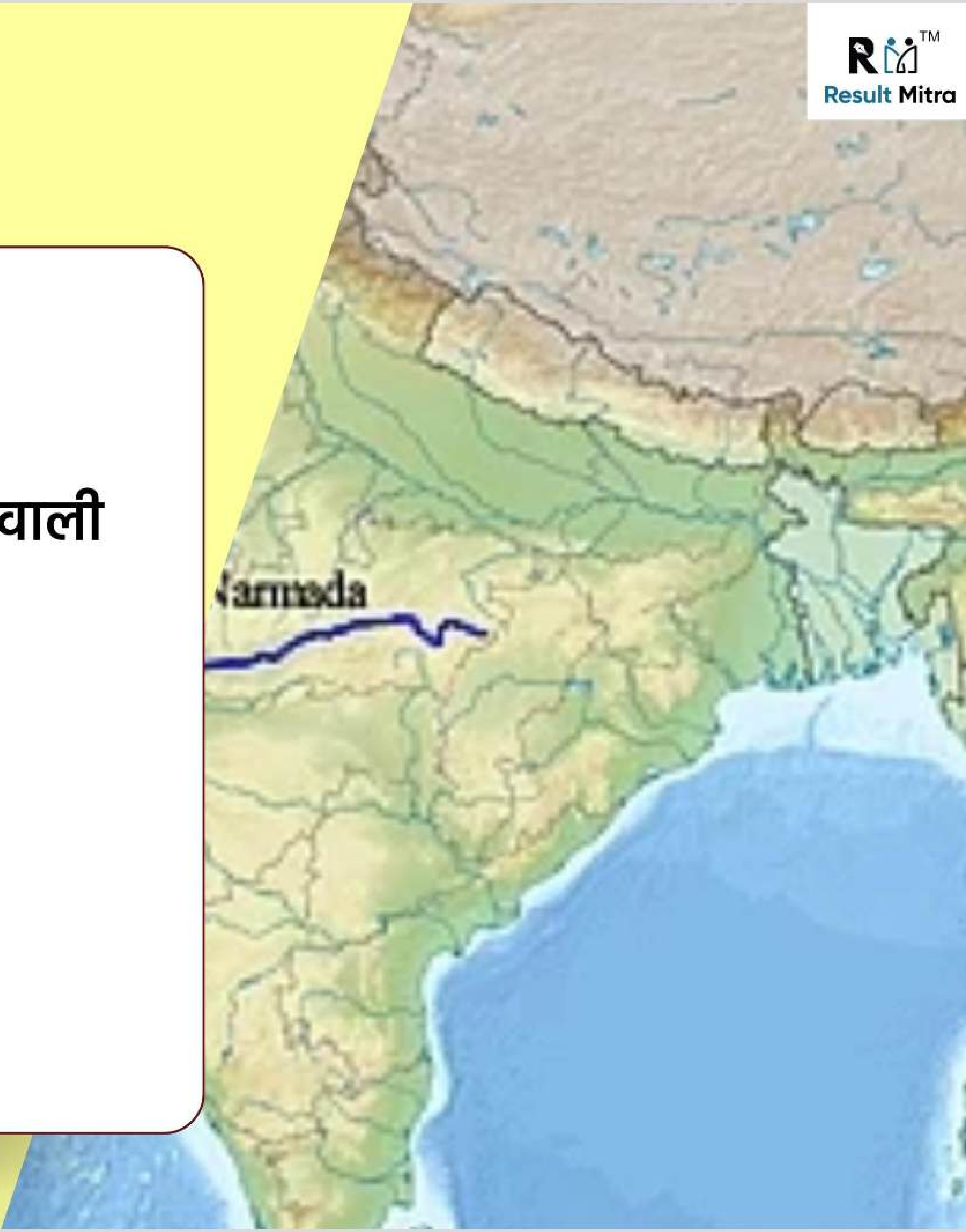

नर्मदा नदी के बारे में:

- नर्मदा नदी, मध्य प्रदेश और गुजरात राज्यों से होकर बहती है.
- नर्मदा नदी, उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सीमा रेखा बनाती है.
- नर्मदा नदी का उद्गम स्थल मध्य प्रदेश के अनूपपुर ज़िले में स्थित अमरकंटक है.

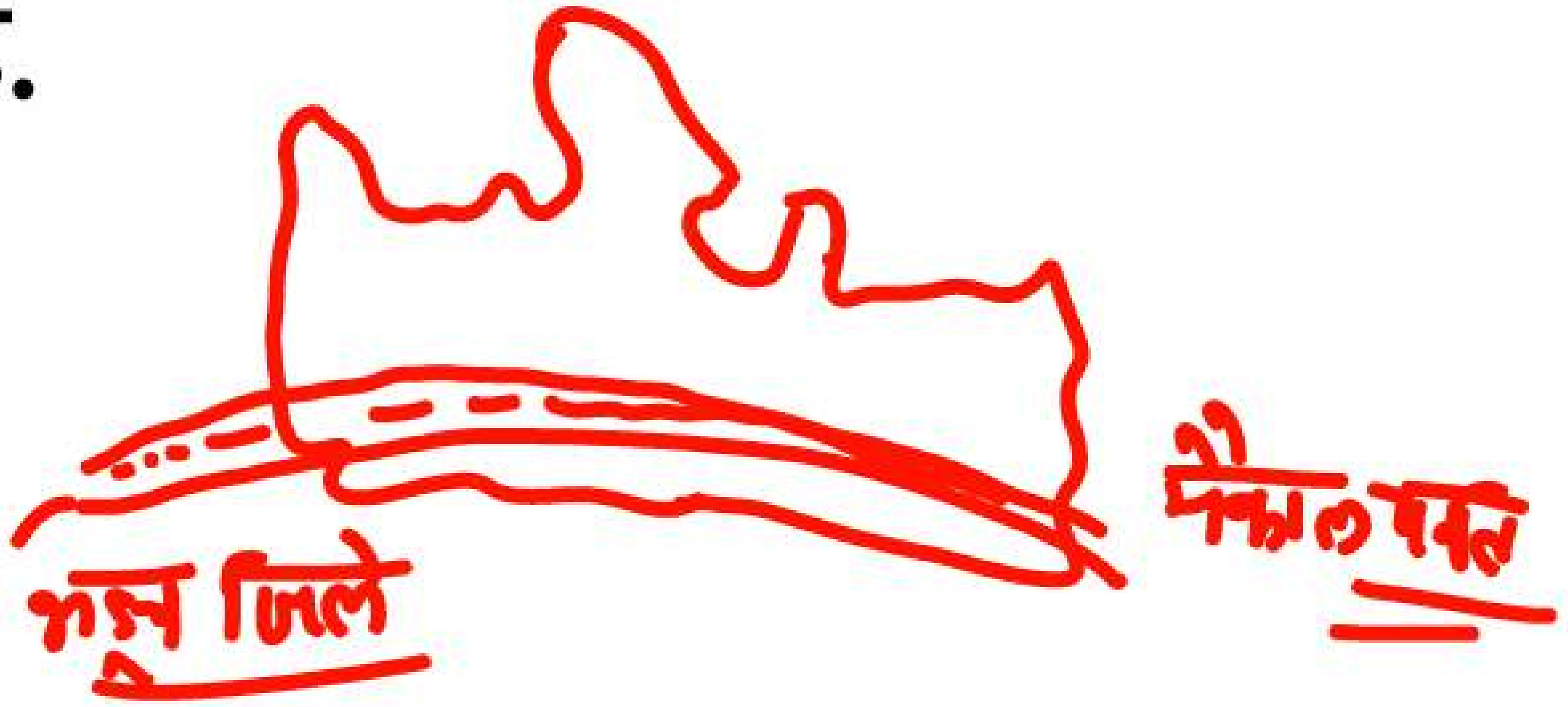

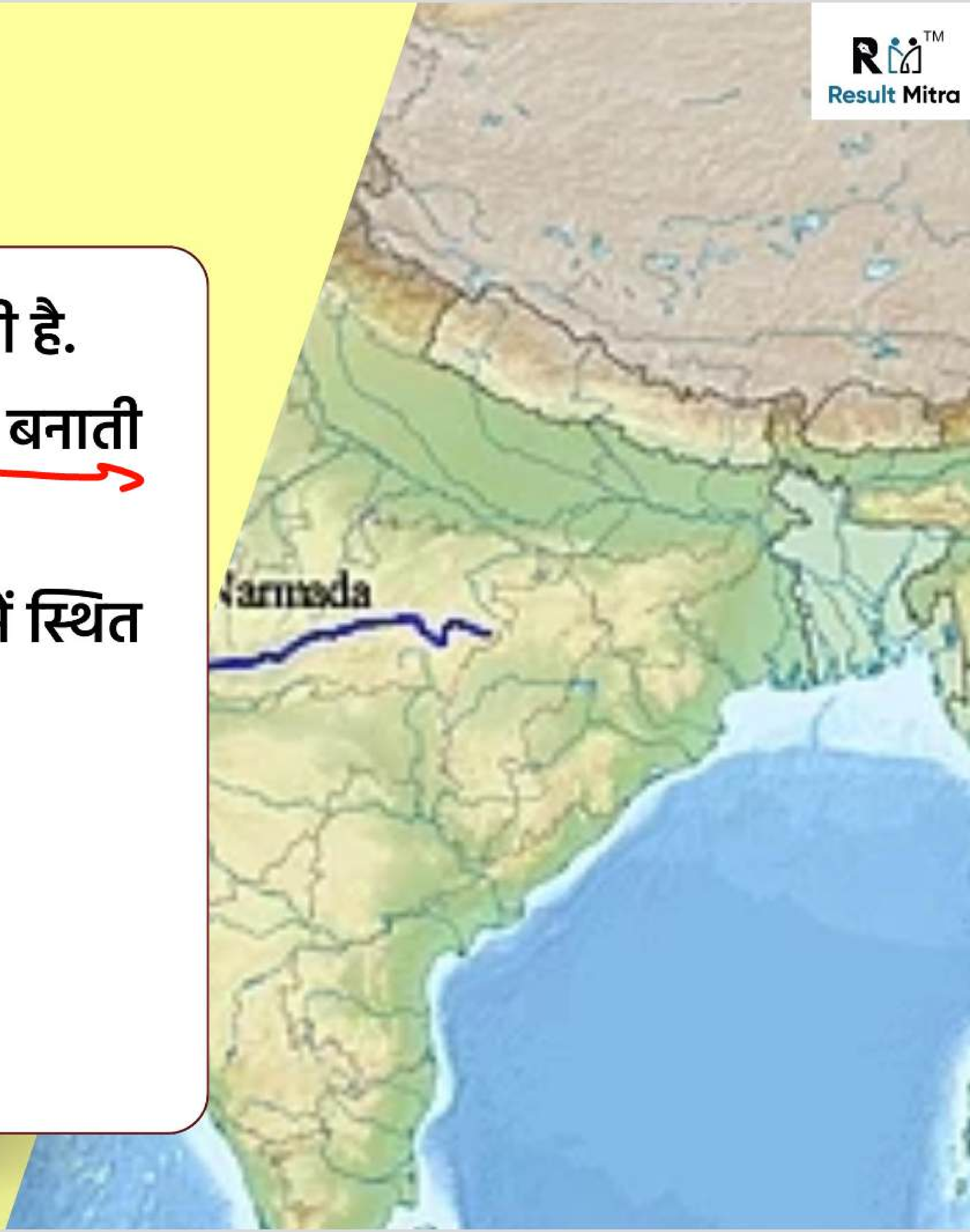

Result Mitra

नर्मदा नदी के बारे में:

- नर्मदा नदी, खंभात की खाड़ी में मिलकर अरब सागर में विलीन हो जाती है.
- नर्मदा नदी के किनारे बने ओंकारेश्वर द्वीप, भगवान शिव को समर्पित हैं.
- नर्मदा नदी के किनारे कई जलप्रपात हैं, जैसे- दुग्धधारा, कपिलधारा, सहस्त्रधारा, मंधार, और दरदी.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: नर्मदा जयंती के अवसर पर नर्मदा नदी की स्वच्छता का संकल्प क्यों महत्वपूर्ण है?

A) यह केवल एक धार्मिक पर्व है, जिसका पर्यावरणीय महत्व नहीं है।

B) यह नर्मदा नदी के प्रदूषण को कम करने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने के लिए लिया गया एक सामाजिक कदम है।

C) यह सरकारी नीतियों का विरोध करने के लिए एक आंदोलन का हिस्सा है।

D) यह केवल नर्मदा नदी के धार्मिक महत्व को बढ़ाने के लिए लिया गया एक कदम है।

ज्ञान भारतम मिशन

Result Mitra

ज्ञान भारतम मिशन

Result Mitra

- केंद्रीय बजट 2025-26 में 'ज्ञान भारतम मिशन' की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पाण्डुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण करना है।

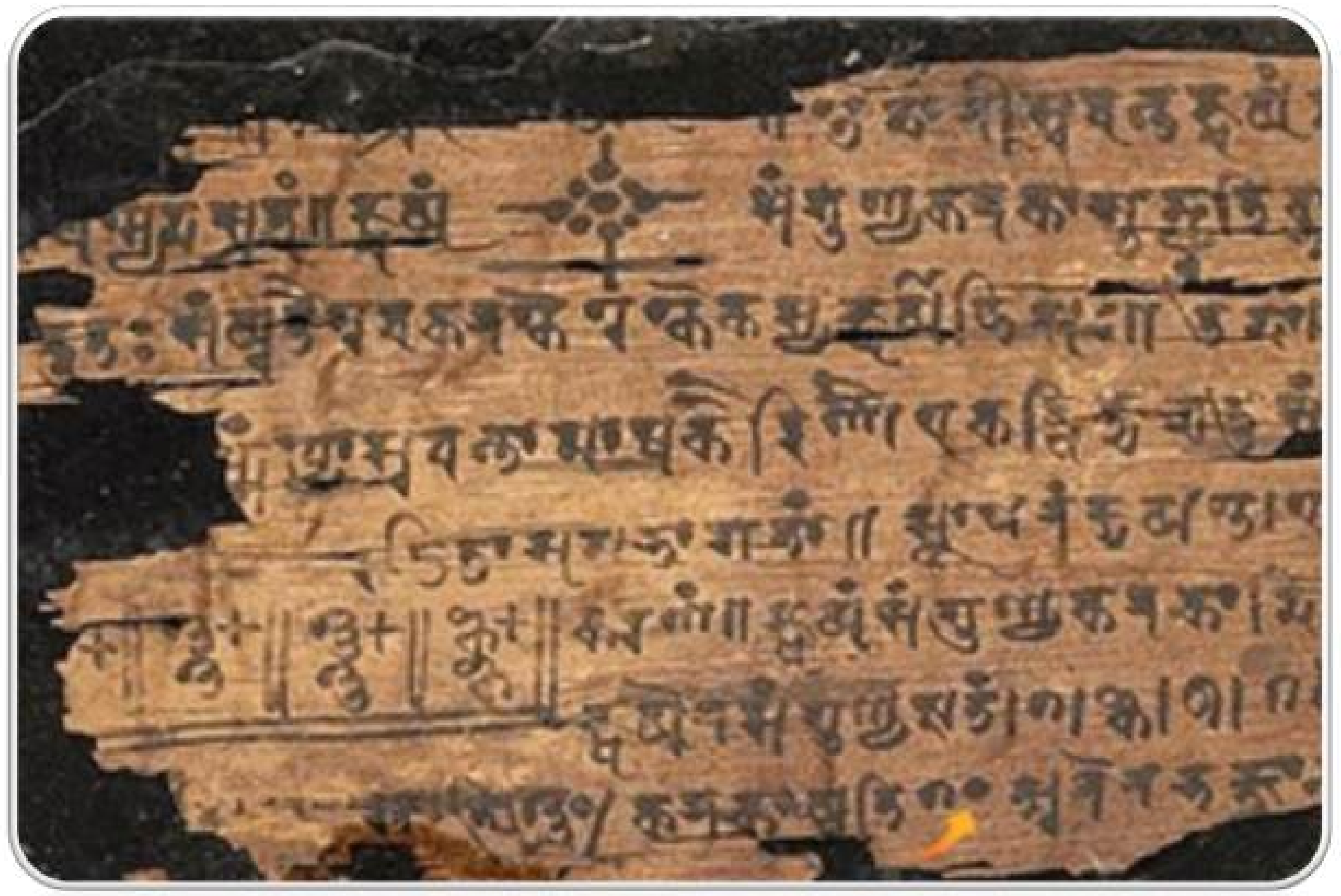

ज्ञान भारतम मिशन

Result Mitra

- उद्देश्य: इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी एक करोड़ से अधिक पाण्डुलिपियों को संरक्षित करना है।
- बजट आवंटन: इस नई पहल को समायोजित करने के लिये, राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (NMM) के लिये बजट आवंटन 3.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 60 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

Result Mitra

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (NMM):

- NMM को वर्ष 2003 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य भारत की विशाल पाण्डुलिपि विरासत को संरक्षित करना और उसे सुलभ बनाना है।
- IGNCA की स्थापना वर्ष 1987 में अनुसंधान, शैक्षणिक अनुसंधान और कला के प्रसार के लिये एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी।

पांडुलिपि:

- पांडुलिपि कागज, छाल, कपड़े, धातु या ताड़ के पत्ते जैसी सामग्री पर बनाई गई हस्तलिखित रचना, जो कम-से-कम 75 वर्ष पुरानी हो।
- भारत में अनुमानतः 5 मिलियन पाण्डुलिपियाँ हैं, जो संभवतः विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: 'ज्ञान भारतम मिशन' का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A) भारत में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों की मान्यता प्रक्रिया को सुधारना।

B) भारत की पाण्डुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण करना।

C) भारत में संस्कृत भाषा को पुनर्जीवित करना।

D) भारतीय पुरातात्त्विक स्थलों का संरक्षण करना।

Thank You

Result Mitra™